मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, रविवार, 27 जुलाई 2025

संवत 2082, श्रावण कृष्ण 17 संवत मूल्य 2 रुपये

वर्ष-8, अंक 323 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 करियर में चार चांद लगा सकती है वॉटर साइंस फील्ड

शॉर्ट फिल्म व्यर्थ के साथ दर्शकों का दिल जीतने को तैयार 6

मन की बात में बोले प्रधानमंत्री मोदी

गुमला के नक्सल क्षेत्र में आयी मत्स्य क्रांति बंदूक छोड़ लोगों ने थामा मछली का जाल

प्रधानमंत्री ने सुनाई ओम प्रकाश साहू की प्रेरक कहानी

एजेंसी

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 124वें संस्करण में झारखंड के गुमला जिले के युवा ओम प्रकाश साहू की प्रेरणादायक कहानी साझा की। उन्होंने बताया कि कैसे ओम प्रकाश ने नक्सलवाद का रास्ता छोड़कर मछली पालन के जरिए न केवल अपनी जिंदगी बदली, बल्कि अपने इलाके में बदलाव की नई बयार भी लाए। पीएम मोदी ने बताया, मेरे प्यारे देशवासियों, कभी-कभी सबसे ज्यादा रोशनी वहीं से निकलती है, जहां सबसे ज्यादा अंधेरा होता है। ऐसा ही एक उदाहरण झारखंड का गुमला जिला है। एक समय था जब यह इलाका माओवादी हिंसा के लिए जाना जाता था। बसिया प्रखंड के गांव वीरान हो रहे थे। लोग डर के साये में जी रहे थे। रोजगार की कोई संभावना नहीं थी, जमीनें खाली पड़ी थीं और युवा पलायन कर रहे थे, लेकिन फिर, चुपचाप और बहुत धैर्य के साथ एक बदलाव शुरू हुआ। ओम प्रकाश साहू नाम के एक युवक ने हिंसा का रास्ता छोड़ मछली पालन शुरू किया। फिर उन्होंने अपने जैसे कई दोस्तों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित किया। उनके प्रयासों का असर भी हुआ। जो लोग पहले बंदूक थामे रहते थे, उन्होंने अब मछली पकड़ने के जाल थाम लिए हैं। पीएम मोदी ने बताया कि ओम प्रकाश का सफर आसान नहीं, बल्कि मुश्किलों भरा रहा। पीएम बोले, साथियों, ओम प्रकाश साहू की शुरूआत आसान नहीं थी। विरोध प्रदर्शन हुए, धमकियां मिलीं, लेकिन हौसला कम नहीं हुआ। जब प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना शुरू हुई, तो उन्हें नई ताकत मिली। उन्हें सरकार से प्रशिक्षण मिला और तालाब बनाने में मदद मिली देखते ही देखते गुमला में मत्स्य पालन क्रांति शुरू हो गई। आज बसिया प्रखंड के 150 से ज्यादा परिवार मछली पालन से जुड़ चुके हैं। कई लोग ऐसे भी हैं जो कभी नक्सली संगठन में थे, अब गांव में ही सम्मान की जिंदगी जी रहे हैं और दूसरों को रोजगार दे रहे हैं। गुमला का यह सफर हमें सिखाता है, अगर रास्ता सही हो और मन में विश्वास हो, तो कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी विकास का दीया जलाया जा सकता है।

चंद्रयान-3 की सफलता के बाद बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ी, नेशनल स्पेस डे के लिए मांगे सुझाव

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 124वें एपिसोड को संबोधित करते हुए देशवासियों को विज्ञान, खेल और संस्कृति के क्षेत्र में हो रही उपलब्धियों पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में कई ऐसे कार्य हुए हैं जिन पर हर भारतीय को गर्व होना चाहिए। प्रधानमंत्री ने अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की वापसी का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी सुरक्षित धरती पर वापसी ने पूरे देश को खुशी और गर्व से भर दिया। उन्होंने बताया कि चंद्रयान-3 की सफलता के बाद बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि तेजी से बढ़ी है। इंस्पायर मानक अभियान के तहत अब तक लाखों बच्चे इनोवेशन से जुड़े हैं और यह संख्या चंद्रयान-3 मिशन के बाद दोगुनी हो गई है। मोदी ने कहा कि देश में स्पेस स्टार्ट-अप्स की संख्या पांच साल पहले जहां 50 से भी कम थी, वहीं अब यह बढ़कर 200 से अधिक हो चुकी है। उन्होंने बताया कि 23 अगस्त को नेशनल स्पेस डे मनाया जाएगा और इसके लिए लोगों से नमो ऐप पर सुझाव भेजने की अपील की। प्रधानमंत्री ने बताया कि भारत के छात्रों ने अंतरराष्ट्रीय रसायन और गणित ओलंपियाड में कई मेडल जीतकर देश का नाम रोशन किया है। अगले महीने मुंबई में एस्ट्रोनॉमी और एस्ट्रोफिजिक्स ओलंपियाड आयोजित होगा, जो अब तक का सबसे बड़ा होगा। सांस्कृतिक धरोहर पर बात करते हुए मोदी ने कहा कि यूनेस्को ने 12 मराठा किलों को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया है।

हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में भगदड़ अब तक 6 लोगों की मौत, कई घायल

एजेंसी

हरिद्वारः उत्तराखंड के हरिद्वार स्थित प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में बड़ा हादसा पेश आया है। यहां रविवार सुबह मंदिर में भारी भीड़ जमा होने से भगदड़ मच गई। हादसे में अब तक 6 लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घटना के बाद स्थानीय पुलिस और प्रशासन की टीम ने मौके पर पहुंचकर राहत बचाव कार्य शुरू कर दिया है। शुरूआती जानकारी के अनुसार सीढ़ियों वाले रास्ते पर यह घटना पेश आई है। आशंका जताई जा रही है कि बिजली का करंट उतर आया था, जिसके बाद श्रद्धालुओं में भगदड़ मच गई। हालांकि गढ़वाल के डीसी विनय कुमार ने करंट की बात को नकार दिया है। उन्होंने कहा कि हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। हादसे में अब तक करीब 15 लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई है, जबकि 6 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। वहीं, हादसे को लेकर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा, हरिद्वार स्थित मनसा देवी मंदिर में भगदड़ मचने का अत्यंत दुखद समाचार प्राप्त हुआ है। स्थानीय पुलिस और बचाव दल की टीमें मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्यों में जुटी हैं। स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। माता रानी से सभी श्रद्धालुओं के सकुशल होने की प्रार्थना करता हूं।

मनसा देवी मंदिर हादसे पर पीएम मोदी ने जताया दुख

इस दुखद घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा, हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर मार्ग पर भगदड़ से हुई जनहानि से मैं बेहद दुखी हूं। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी संवेदना है। मैं घायल सभी श्रद्धालुओं के शीघ्र स्वस्थ होने कडी कामना करता हूं। स्थानीय प्रशासन प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता दे रहा है।

बिहार चुनाव 2025: तेज प्रताप ने किया निर्दलीय चुनाव लड़ने का ऐलान, बोले-

मुख्यमंत्री नीतीश अपना पद नहीं बचा पाएंगे

एजेंसी

पटनाः बिहार के पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने घोषणा की है कि वह आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में वैशाली जिले की महुआ सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ेंगे। यादव को हाल में उनके पिता एवं राष्ट्रीय जनता दल के संस्थापक अध्यक्ष लालू प्रसाद ने पार्टी से निष्कासित कर दिया था। वह समस्तीपुर जिले की हसनपुर सीट से विधायक हैं। मेरे विरोधियों को जरूर दिक्कत होगीः तेज प्रताप यादव ने अपने आवास पर संवाददाताओं से कहा, हां, इस बार मैं महुआ विधानसभा सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लडूंगा। मेरे विरोधियों को जरूर दिक्कत होगी।" उन्होंने कहा, मुझे लोगों का समर्थन प्राप्त है...बड़ी संख्या में लोग सोशल मीडिया मंच टीम तेज प्रताप यादव' से जुड़े हैं।" यादव ने दावा किया कि विधानसभा चुनाव के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपना पद नहीं बचा पाएंगे। उन्होंने कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि चाचा (नीतीश) मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे... जो लोग सरकार बनाएंगे अगर वे युवा, रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य की बात करेंगे तो तेजप्रताप यादव उनके साथ खड़ा रहेगा।" लालू यादव ने 25 मई को छह साल के लिए किया निष्कासित : बता दें कि बिहार के पूर्व मंत्री को उनके पिता लालू यादव ने 25 मई को पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया था। तेज प्रताप यादव द्वारा सोशल मीडिया पर अनुष्का नाम की महिला के साथ संबंध' की बात स्वीकार किए जाने के बाद उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था। तेज प्रताप यादव ने बाद में सोशल मीडिया मंच फेसबुक से यह पोस्ट हटा दी और कहा था कि उनका पेज हैक" हो गया था। लालू प्रसाद ने यादव के गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार" के कारण उनसे अपना संबंध भी तोड़ लिया। पार्टी से निष्कासन के कुछ दिनों बाद तेज प्रताप ने आरोप लगाया था कि उनके और उनके छोटे भाई तेजस्वी यादव के बीच कड़वाहट पैदा करने की साजिश" रची जा रही है।

पलामू के पिपराटांड थाना प्रभारी निलंबित, अफीम तस्करी में संलिप्तता के आरोप में एसपी रीष्मा रमेशन ने की कार्रवाई

सवांददाता

पलामू : अंतरराज्यीय अफीम तस्करी मामले में संदिग्ध भूमिका सामने आने पर पिपराटांड़ थाना प्रभारी राजवर्धन को पलामू एसपी रीष्मा रमेशन ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। पिपराटांड़ थाना प्रभारी के पद पर टाउन थाना में पदस्थापित सब इंस्पेक्टर सुबोध कुमार को नया थाना प्रभारी बनाया गया है। बीते शुक्रवार को पलामू पुलिस ने अफीम तस्करी के अंतरराज्यीय गिरोह का पदार्फाश करते हुए आठ तस्करों को गिरफ्तार किया। इनमें चार पंजाब और चार पलामू जिले के निवासी हैं। तस्करों के पास से 33 लाख रुपये नकद भी बरामद किए गए। जांच में हुआ खुलासा, थाने से मिली थी तस्करों को मददः पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि तस्करी की जानकारी पिपराटांड़ थाना को पहले से थी, लेकिन कार्रवाई नहीं की गई। इस आधार पर थाना प्रभारी की भूमिका संदिग्ध मानी गई। एसडीपीओ लेस्लीगंज के नेतृत्व में गठित जांच टीम की रिपोर्ट के बाद कार्रवाई की गई। दरअसल, तस्करी मामले की शुरूआत तब हुई, जब पंजाब निवासी एक युवती ने अपने भाई के अपहरण की शिकायत पलामू एसपी से की। उसने बताया कि फिरौती के रूप में 7.5 लाख रुपये दिए जा चुके हैं। जांच में पता चला कि अपहरण की कहानी एक बहाना थी। असल में उसका भाई अफीम खरीदने पलामू आया था और उसे सौदेबाजी के दौरान ट्रैप कर लिया गया। पूरे घटनाक्रम की जानकारी स्थानीय थाना को होने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई। जांच में थाना प्रभारी की भूमिका संदिग्ध पाई गई, जिसके बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया। पलामू एसपी रीष्मा रमेशन ने कहा है कि जांच में दोषी पाने पर पिपराटांड़ थाना प्रभारी को निलंबित कर दिया गया है। मामले की गहराई से जांच की जा रही है। जिसमें आगे और खुलासे हो सकते हैं।

बिहार में सफाई कर्मचारी आयोग का होगा गठन

एजेंसी

पटना : आगामी विधानसभा चुनाव से पहले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को राज्य में सफाई कर्मचारी आयोग के गठन की घोषणा की। यह आयोग सफाई कर्मचारियों के अधिकारों की सुरक्षा, कल्याण, पुनर्वास, सामाजिक उत्थान, शिकायतों के निवारण और कल्याणकारी योजनाओं की निगरानी का कार्य करेगा। नीतीश कुमार ने एक्स पर लिखा, मुझे खुशी है कि बिहार में सफाई कर्मचारियों के हितों की रक्षा और उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए बिहार राज्य सफाई कर्मचारी आयोग का गठन किया जा रहा है। आयोग में एक अध्यक्ष, एक उपाध्यक्ष और पांच सदस्य होंगे, जिनमें एक महिला या ट्रांसजेंडर प्रतिनिधि भी शामिल होगा। यह आयोग सफाई कर्मियों के अधिकारों की रक्षा के लिए सरकार को सुझाव देगा और उनके हितों से संबंधित नीतियों पर काम करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कदम सफाई कर्मचारियों के सम्मान और उनके बेहतर भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है। आयोग उनकी शिकायतों का समाधान करेगा और कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करेगा। इसे सफाई कर्मचारियों के सामाजिक समावेशन और विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल माना जा रहा है।

खूंटी में बारिश का कहर, दो नदियों पर बना डायवर्सन बहा, आवागमन बाधित

संवाददाता

खूंटीः बारिश ने खूंटी जिले के लिए फिर मुसीबतें बढ़ा दी हैं। पिछली बारिश में पेलोल गांव में बनई नदी पर बना पुल बह गया था। इस बार नदी पर बना अस्थायी डायवर्सन भी शुक्रवार रात हुई बारिश में बह गया। इसके अलावा, खूंटी-सिमडेगा मुख्य मार्ग से डोड़मा गोविंदपुर मार्ग पर छाता नदी पर बना डायवर्सन इस बरसात में तीसरी बार बह गया। जबकि रनिया प्रखंड के खटखुरा पंचायत अंतर्गत जरागुट्ट गांव के पास बना एकमात्र पुलिया भी भारी बारिश के कारण दो टुकड़ों में टूट गया। इससे आसपास रहने वाले लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। बनई नदी पर बना डायवर्सन बहाः दरअसल, 19 जून को खूंटी-सिमडेगा मुख्य मार्ग पर पेलोल गांव के पास बनई नदी पर बना पुल भारी बारिश में टूट गया था। जिसके बाद श्रावणी मेले को देखते हुए आनन-फानन में डायवर्सन तैयार किया गया था। पुल टूटने के बाद स्थानीय नेताओं और अधिकारियों के निर्देश पर एसकेएस कंस्ट्रक्शन कंपनी ने स्कूली बच्चों, श्रद्धालुओं, किसानों और आम लोगों की सुविधा के लिए इस कच्चे डायवर्सन का निर्माण किया था, लेकिन उसके बाद हुई पहली भारी बारिश में यह भी बह गया।

भाजपा नेता मनोज कुमार ने बताया कि शुक्रवार की रात हुई बारिश के कारण अस्थायी डायवर्सन भी अब उपयोग लायक नहीं बचा है। उन्होंने कहा कि बारिश के बीच बनाया गया डायवर्सन बह गया और बरसात में स्थायी या स्थायी डायवर्सन बनाना संभव नहीं है। छाता नदी पर बना डायवर्सन तीसरी बार बहाः इसके अलावा खूंटी सिमडेगा मुख्य मार्ग से डोड़मा गोविंदपुर सड़क पथ पर छाता नदी पर बना डायवर्सन इस बरसात में तीसरी बार बह गया। डोड़मा गोविंदपुर सड़क पथ पर बने डायवर्सन के टूटने से डोड़मा, जम्हार, गोविंदपुर रोड रेलवे स्टेशन और गोविंदपुर को जिले से जोड़ने वाला यह पथ अवरुद्ध होने से बड़ी आबादी प्रभावित हुई है। गौरलतब है कि लगभग दो दशक पहले बना यह पुल खूंटी और गुमला जिलों को जोड़ने वाला एकमात्र मार्ग है, जो रांची जिले के लापुंग से होकर गुजरता है। खूंटी को गुमला जिला मुख्यालय और लापुंग से जोड़ने वाले इस मार्ग से सौ से अधिक गाँव प्रभावित होंगे।

हिचकी नहीं रूकने से परेशान वृद्ध ने चाकू से अपना ही गला काटा, रिम्स रेफर

एजेंसी

गुमलाः इंसान भी कभी-कभी अजीबोगरीब हरकत कर बैठता है। इसकी बानगी देखने को मिली जिले के सदर थाना स्थित टेंसेरा गांव में । जहां रहने वाले 66 वर्षीय वृद्ध इंद्र साहू ने चाकू से अपना ही गाला काट लिया। उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें रांची रिम्स रेफर किया गया है। हुआ यह कि व्यक्ति को दो-तीन दिन से लगातार हिचकी आ रही थी जो रूकने का नाम ही नहीं ले रही थी। इससे परेशान होकर उसने चाकू से अपना गला काट लिया,। उस वक्त उसके घर में कोई भी सदस्य उपस्थित नहीं था। पत्नी घास काटने गई हुई थी, तथा अन्य परिजन अपने खेती-बाड़ी के कार्यों में व्यस्त थे और अपने घर से बाहर थे। लगभग एक बजें जब परिजन घर पहुंचे तो उन्होंने देखा कि इंद्र साहू खून से लथपथ जमीन पर पड़ा हुआ था, बाद में आनन फानन में इलाज के लिए गुमला सदर अस्पताल ले जाया गया जहाँ डाक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद इंद्र साहू की स्थिति गंभीर होते देखा डॉक्टर ने उसे बेहतर इलाज के लिए रांची रिम्स रेफर कर दिया गया, परन्तु समय पर एंबुलेंस गाड़ी प्राप्त नहीं होने के कारण काफी विलंब हुआ और रोगी की स्थिति और गंभीर हो गयी।

न्यूज IN ब्रीफ

जेपीएससी परीक्षा में चतरा के पांच अभ्यथियों ने रचा सफलता का इतिहास

चतरा : झारखंड लोक सेवा आयोग की प्रतिष्ठित परीक्षा में जिले के पांच होनहारों ने सफलता का परचम लहराया है। इन युवाओं ने न केवल अपने माता-पिता का सपना पूरा किया, बल्कि पूरे जिले को भी गौरवान्वित किया है। आइए आपको मिलवाते हैं उन चहरों से, जो अब प्रशासनिक सेवा में झारखंड की दिशा और दशा बदलने जा रहे हैं। सबसे पहले बात करते हैं चतरा शहर के लाइन मुहल्ला निवासी अमरदीप राज जी ने डीएसपी के पद पर सफलता पाई है। रैंक 26 प्राप्त कर अमरदीप कुमार ने जिले को गौरवांवित किया है। अमरदीप, अशोक साहू के सुपुत्र हैं। उन्होंने सफलता का श्रेय अपनी माता के संघर्ष और अपनी मेहनत को दिया। दूसरी सफलता सिमरिया प्रखंड के कसारी गांव के खुर्शीद अंसारी को मिली है उन्होंने प्रशासनिक सेवा में स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने रैंक 78 हासिल की है, और यह साबित कर दिया कि सच्ची लगन से कोई भी लक्ष्य कठिन नहीं। तीसरी पत्थलगड़ा प्रखंड के बरवाडीह गांव निवासी प्रियंका भारती को मिली। ये बीडीओ पद के लिए चयनित हुई हैं। प्रियंका, विशेश्वर कुशवाहा जी की पुत्रवधू हैं और उन्होंने महिलाओं के लिए प्रेरणा का नया उदाहरण पेश किया है। चौथी सफलता इटखोरी के लेम्बोडी गांव से सुरेश रविदास के सुपुत्र ने भी बीडीओ पद के लिए चयन पाकर गांव और जिले का नाम रोशन किया है। पांचवी सफलता सदर प्रखंड के ग्राम रक्सी निवासी मोहम्मद नदीम के सुपुत्र तजईन साकिब ने भी इस परीक्षा में सफलता हासिल कर जिले की प्रतिभा को राष्ट्रीय पटल पर रखा है। इन सभी अभ्यर्थियों ने सफलता का मूलमंत्र बताया–कड़ी मेहनत, ईमानदारी और माँ की दुआएं। चतरा अब प्रशासनिक सेवा में इन होनहारों के रूप में अपनी नई पहचान बनाने को तैयार है।

मासिक लोक अदालत का आयोजन

चतराः चतरा व्यवहार न्यायालय परिसर में शनिवार को मासिक लोक अदालत का आयोजन किया गया। यह अदालत झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची के तत्वावधान में एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश शंभू लाल साव के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकार प्रभारी सचिव एडिथ होरो द्वारा आयोजन किया गया। इस मासिक लोक अदालत में कुल 54 वादों का निष्पादन किया गया। इसमें 38 लाख 23 हजार 500 रुपए का सरकारी राजस्व प्राप्त हुआ। इस लोक अदालत में तीन बेंचों के माध्यम से मामलों का निष्पादन किया गया। इसमें पहले बेंच में जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश चतुर्थ सूरज प्रकाश ठाकुर एवं अधिवक्ता सीताराम यादव और दिलीप कुमार सिन्हा ने मामलों का निष्पादन किया। दूसरे बेंच में सिविल जज सीनियर डिविजन चतुर्थ सह न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी शेरा सैमसन तिर्की, अधिवक्ता दिनेश कुमार सिन्हा एवं सुजीत कुमार घोष और तीसरे बैंच में सिक्लि जज सीनियर डिविजन पंचम सह न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी मिलन कुमार और अधिवक्ता अक्षय कुमार सिंह एवं प्रवीण रंजन ने मामलों का निष्पादन किया।

सांसद प्रतिनिधि ने उपायुक्त से की मुलाकात

चतराः जिला खाद्य आपूर्ति विभाग के सांसद प्रतिनिधि विद्यासागर आर्य ने डीसी से मिलकर खाद्य आपूर्ति विभाग के संबंध में पूरे जिले से मिल रहे शिकायतों से अवगत कराया। इस दौरान विद्यासागर ने डीसी को प्रतापपुर प्रखंड में एक महीने का राशन नहीं मिलने, डीलरों द्वारा दाल, नमक, चीनी नहीं दिए जाने की जानकारी दी। डिलरो द्वारा तय मानक से उपभोक्ताओं को वि कम वजन से राशन देने, राशन कार्ड में नाम जोड़ना, हटाने की प्रक्रियाए जल्द कराने की मांग की। जिससे लोगों को आयुष्मान कार्ड एवं वृद्धा पेंशन बनने में सुविधा हो। उन्होंने डीसी से सभी विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण अनाज नि उपलब्ध कराने की भी मांग की। उन्होंने डीलरों का कमीशन भुगतान में देरी की बातें भी उठाई। किसानों का धान अधिप्राप्ति मूल्य भुगतान न करने वाले पैक्सों पर करवाई करने की मांग की। कंप्यूटर ऑपरेटर द्वारा अवैध वसूली के संबंध में भी जानकारी दी। मौके पर युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष सुमन सौरभ, अल्पसंख्यक कल्याण सांसद प्रतिनिधि मोहम्मद यासीन, प्रमोद यादव,मनोज साव, संक्षेप कुमार व अन्य कई लोग उपस्थित थे।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया

चतरा : जिला विधिक सेवा प्राधिकार चतरा के सचिव के निर्देश पर शनिवार को नारी की उड़ान बंदिशो से आजादी तक एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान पीएलवी (अधिकार मित्र) संदीप कुमार गुप्ता एवं गुड़िया कुमारी के द्वारा नारी सशक्तिकरण और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के विषय पर लोगों को जागरूक किया गया। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए उत्प्रेरित किया गया। साथ ही महिलाओं को सरकार के द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ उठाने के लिए जागरुक किया गया। समूह की महिलाएं को बेटियों को बेहतर शिक्षा देने के लिए उन्हें उत्प्रेरित किया गया। जागरूकता शिविर का मुख्य उद्देश्य अठारह वर्ष से कम उम्र के अनाश्रित बच्चों का सर्वेक्षण कर आधार पंजिकरण एवं सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं से उनको जोड़कर लाभ दिलवाने हेतु उत्प्रेरित किया गया।

चप्पल पहनकर स्कूल पहुंचे बच्चों को मिली तालिबानी सजा

छात्रों को क्लास में बंद कर घर चले गये शिक्षक, घंटों चिल्लाते रहे बच्चे

संवाददाता

बोकारो : जिले से हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है जहां स्कूल की छुट्टी होने के बाद शिक्षक बच्चों को कक्षा में ही बंद कर घर चले गए। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। मामला जिले के गोमिया प्रखंड अंतर्गत टीकाहारा पंचायत के ग्राम केरी में संचालित निजी स्कूल स्पेन पब्लिक स्कूल का है। बताया जा रहा है कि गुरुवार को स्कूल की छुट्टी होने के बाद 9 बच्चों को कक्षा में ही बंद कर शिक्षक घर चले गए। डेढ़ घंटे तक बच्चे कमरे में ही बंद रहे और भूखे प्यासे चिल्लाते रहे, लेकिन उनकी आवाज सुनने के लिए स्कूल में कोई नहीं था। छुट्टी के काफी देर बाद बच्चे जब घर नहीं पहुंचे तो परिजनों ने तलाश शुरू की। परिजन ढूंढते-ढूंढते जब स्कूल पहुंचे तो देखा कि सभी बच्चे

कमरे में बंद हैं और बाहर से ताला लगा हुआ है। इसके बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने ताला तोड़कर बच्चों को बाहर निकाला। इस घटना से आक्रोशित परिजनों ने जमकर हंगामा काटा और शिक्षकों पर कार्रवाई की मांग करते हुए स्कूल में ताला लगा दिया। परिजनों का कहना है कि जब तक दोषी शिक्षकों पर कार्रवाई नहीं होती तब तक स्कूल में ताला लगा रहेगा।

घटना को लेकर बताया जा रहा है कि बच्चे चप्पल पहनकर स्कूल गए थे। इस पर प्रिंसिपल मुनी कुमारी भड़क गई और सभी का चप्पल उतरवाकर एक कमरे में बंद कर दिया। साढ़े बारह बजे जब छुट्टी हुई तो बच्चों ने ताला खोलने की मांग की, लेकिन उनकी एक भी नहीं सुनी और सभी शिक्षक और प्रिंसिपल घर चले गये।

सुभाष मुंडा की शहादत बेकार नहीं जायेगी : बृंदा करात

संवाददाता

मुरीः माकपा के तत्वावधान में शहीद सुभाष मुंडा के दूसरे शहादत दिवस के अवसर पर शहीद समाधी से शहीद स्थल तक जुलूस निकालकर शहीद प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। शहीद सुभाष मुंडा अमर रहे, शहीदों तेरे अरमानों को, मंजिल तक पहुंचाएंगे,शहीद सुभाष मुंडा हम तुम्हें भूले हैं न भूलेंगे, हत्यारों का वेल क्यों पुलिस- प्रशासन जबाब दो, सुभाष मुंडा के हत्यारे को फांसी दो, नहीं डरते हैं लड़ने से, नहीं डरते हैं मरने से आदि नारे लग रहे थे। मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए पूर्व सांसद सह पूर्व पोलिट ब्यूरो सदस्य बृंदा करात ने सुभाष मुंडा की जीवनी पर विस्तृत रूप से चर्चा करते हुए कहा शहीद सुभाष मुंडा का शहादत बेकार नहीं जाएगा,जल, जंगल, जमीन की रक्षा तथा पूंजीवादी सामंती जुल्म एवं शोषण के खिलाफ संघर्ष और तेज होगा। सुभाष मुंडा के अधुरे सपनों को पूरा करने के लिए किसान - मजदूरों, आदिवासियों, नौजवानों, महिलाओं के व्यापक एकता के आधार पर संघर्ष तेज होगा। माकपा राज्य सचिव प्रकाश विप्लव ने कहा डी,जी,पी, ने स्पष्ट कहा था हत्यारे जेल से नहीं छूटेगें लेकिन हत्यारों का वेल पुलिस - प्रशासन की बिफलता को उजागर करता है। झारखंड राज्य किसान सभा के राज्य अध्यक्ष सह माकपा राज्य सचिव मंडल सदस्य सुफल महतो ने अमेरिकी राष्ट्रपति एवं भारतीय प्रधानमंत्री के अमेरिकी उत्पादों के लिए मुक्त भारतीय बाजार के नापाक समझौता के खिलाफ 13 अगस्त को झारखंड सहित देशभर के हर गांवों में ट्रंप - मोदी का पूतला फूंका जाएगा। यह समझौता देश के अन्नदाता किसानो के लिए मौत की घंटी है। शहीद सुभाष मुंडा हर किसान - मजदूरों के दिलों में जिंदा रहेंगे,हर संघर्ष में इंकलाब के रूप में जिंदा रहेंगे, शहीद कभी दफन नहीं होते - बीज की तरह फलते फूलते हैं। हम सुभाष मुंडा के बहादुर माता-पिता को सलाम करते हैं जो सुभाष मुंडा जैसा बेटा पैदा किया ,जो लूट, शोषण जुल्म के खिलाफ संघर्ष का रास्ता चुना। इसके अलावे राज्य सचिव मंडल सदस्य सुरेश, प्रफुल्ल लिंडा,मुंडा, सुखनाथ लोहरा, राज्य कमिटी सदस्य सह नगड़ी प्रमुख मदुवा कच्छप, आदिवासी नेता अजय तिर्की , जयगोविंद मुंडा, ललित मुंडा (पिता)आदि ने संबोधित किया,मंच में मुख्य रूप से माकपा राज्य सचिव मंडल सदस्य समीर दास, संजय पासवान,कृति मुंडा (पत्नी) ,छोटन देवी,भीखन देवी (मां)कपील महतो, बुधराम उरांव सहित शहीद परिजन उपस्थित थे। श्रद्धांजलि सभा की अध्यक्षता सुरेश मुंडा एवं संचालन सुखनाथ लोहरा ने किया।

इंदुमती टिबड़ेवाल में अंग्रेजी मेला सह प्रदर्शनी का आयोजन

संवाददाता

चतरा : स्थानीय इंदुमती टिबड़ेवाल सरस्वती विद्या मंदिर, दीभा चतरा के वाटिका खंड में शनिवार को भैया बहनों के बीच अंग्रेजी मेला एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उदघाटन विद्यालय कार्यकारिणी समिति के अध्यक्ष संतन पांडेय, कोषाध्यक्ष मुकेश शाह , वाटिका खंड प्रमुख शिवनंदन शर्मा, संगीता शाह, एवं गीता सिन्हा द्वारा सामूहिक रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। भैया बहनों ने अंग्रेजी मेला में कई प्रदर्शनी लगा कर सबों का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि ने बच्चों को प्रेरित करते हुए बताया कि आज के दौर में अंग्रेजी की अनिवार्यता बहुत है एवं बिना इसके कुछ भी संभव नहीं। इस तरह के आयोजन से बच्चे बिना

बोझ के खेल खेल में सीखते है। कार्यक्रम प्रमुख अंग्रेजी आचार्य रविप्रभा दीदी एवं सह प्रमुख आचार्य संगीता कुमारी ने अपने मार्गदर्शन में बच्चों को बड़े ही सरल एवं सहज तरीके से अंग्रेजी प्रदर्शनी हेतु तैयार किया। कार्यक्रम में कुल 180 भैया बहनों ने भाग लिया एवं 300 से अधिक अभिभावक सम्मिलित हुए। सभी भैया बहनों को पुरस्कार देकर उत्साह वर्धन किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में वाटिका खंड के समस्त दीदी ने अपना भरपूर योगदान दिया एवं छोटे बच्चों के बीच अंग्रेजी वातावरण बनाने में अपनी भूमिका निभाई। अंत में धन्यवाद ज्ञापन आचार्य शिवनंदन शर्मा के द्वारा किया गया एवं शांति मंत्र के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

थाना दिवस का बदला प्रारूप

चतराः पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल का एक अनोखी पहल जिले के सभी थाना में की है। थाना दिवस आमजनो की समस्याओं का निराकरण करने,थाने में लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन हेतु थाना दिवस मनाने का निर्णय लिया है। पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल ने आगे कहा कि प्रत्येक दिनों में अलग-अलग थानों में थाना दिवस आयोजित होगें।सोमवार को हंटरगंज,जोरी थाना और प्रतापपुर थाना में। मंगलवार को राजपुर इटखोरी और मयूरहंड। वैसे ही बुधवार को सदर थाना,गिद्धौर,कुंदा थाना। गुरुवार को सिमरिया पत्थलगड्डा और लावालौंग। वहीं शुक्रवार को टंडवा और पिपरवार थाना में होगा।थाना दिवस के दिन थाना में थाना प्रभारी,सर्किल इंस्पेक्टर डीएसपी रहेंगे।मॉनिटरिंग स्वयं पुलिस अधीक्षक करेंगे। एसपी श्री अग्रवाल ने आगे कहा कि हम एक रजिस्टर मेंटेनेंस करेंगे जिसमें फरियादियों से संबंधित समस्याओं का विवरण केस का रूप आदि का ब्यौरा लिखा होगा।

कृषि उद्यम मेला की तैयारियों को समीक्षा बैठक

सामाजिक व आर्थिक संकेतकों में सुधार लाना प्रशासन की प्राथमिकता

संवाददाता

चतरा : समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उपायुक्त कीर्तिश्री की अध्यक्षता में शनिवार को कृषि उद्यम मेला 2025 एवं विभिन्न सरकारी योजनाओं की प्रगति को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की शुरूआत करते हुए उपायुक्त ने कहा कि चतरा एक आकांक्षी जिला है और यहां के विभिन्न सामाजिक एवं आर्थिक संकेतकों जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, पोषण आदि में तेजी से सुधार लाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी क्रम में प्रत्येक प्रखंड के लिए जिला स्तर से नोडल पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई है, जो अपने-अपने क्षेत्र में योजनाओं की जमीनी सच्चाई का मूल्यांकन करते हुए साप्ताहिक निरीक्षण रिपोर्ट जिला प्रशासन को उपलब्ध कराएंगे।आकांक्षी जिला के विभिन्न इंडीकेटरों के मॉनिटरिंग के लिए जिले से नामित वरीय नोडल अधिकारियों को उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि नोडल अधिकारी विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों, स्वास्थ्य उपकेंद्रों, व अन्य सेवाओं की निगरानी करेंगे। वे यह भी सुनिश्चित करेंगे कि पोर्टल पर डेटा की समय पर एंट्री हो तथा राज्य एवं केंद्र सरकार की योजनाओं का समुचित क्रियान्वयन हो। प्रखंड विकास पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे नोडल अधिकारियों को हर संभव सहयोग प्रदान करें और

समन्वय बनाकर कार्य करें।

योजनाओं की समीक्षा के क्रम में बैठक में हर घर नल योजना के सर्टिफिकेशन कार्य, मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना, पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना, तथा शिक्षा विभाग के अंतर्गत प्रस्तावित रेल परियोजना सहित कई प्रमुख योजनाओं की बारीकी से समीक्षा की गई। संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया कि वे लंबित कार्यों की सूची बनाकर त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करें।1 एवं 2 अगस्त 2025 को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम चतरा में आयोजित होने वाले कृषि उद्यम मेला 2025 को लेकर उपायुक्त ने विभागवार सौंपे गए कार्य दायित्वों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि यह मेला न केवल स्थानीय प्रगतिशील किसानों को प्रोत्साहन प्रदान करने का मंच बनेगा, बल्कि बाजार, ब्रांडिंग और विपणन के क्षेत्र में भी उन्हें आगे लाने का माध्यम बनेगा। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि ऐसे किसान जो गुणवत्ता युक्त उत्पादन तो कर रहे हैं पर ब्रांडिंग और मार्केटिंग के अभाव में आयवृद्धि नहीं कर पा रहे, उन्हें इस मेले के माध्यम से उचित मंच प्रदान करना होगा। यह कार्यक्रम स्थानीय उत्पादों को बाजार से जोड़ने, बाहरी राज्यों व स्थानीय क्रेताओं को जोड़ने, और कृषकों को उद्यमी के रूप में विकसित करने की दिशा में एक अभिनव पहल है। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय किसानों और क्रेताओं के बीच प्रत्यक्ष संवाद स्थापित कर सीधा विपणन सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा। उपायुक्त ने अधिकारियों से कहा कि मेले में आने वाले आगंतुकों को चतरा की कृषि विविधता एवं गुणवत्ता से परिचित कराने के लिए योजनाबद्ध प्रचार-प्रसार किया जाए। अंत में उपायुक्त ने सभी अधिकारियों से आग्रह किया कि वे अपने कार्यक्षेत्र में सतत निगरानी, योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और लक्षित समयावधि में उपलब्धि पर विशेष ध्यान दें। आकांक्षी जिले की पहचान को सफलता में बदलने हेतु समर्पण और सजगता के साथ कार्य करें। बैठक में उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा,अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया सन्नी राज, जिले के सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी,अंचल अधिकारी, विभिन्न कार्यालयों के प्रधान तथा प्रत्येक प्रखंड के लिए नामित नोडल पदाधिकारी उपस्थित थे।

स्वास्थ्य सेवा की विभागीय समीक्षा बैठक हुई

चतरा : उपायुक्त कीर्तिश्री की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में शनिवार को स्वास्थ्य विभाग की विस्तृत समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करते हुए योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना था। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि जननी सुरक्षा योजना, टीकाकरण कार्यक्रम, टीबी व एचआईवी नियंत्रण, एनसीडी स्क्रीनिंग, बाल लिंगानुपात में सुधार, आंगनबाड़ी सेवाओं और स्वास्थ्य भवन निर्माण कार्यों में तेजी लाकर जनता को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। बैठक में ई-संजीवनी पोर्टल के क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया गया। जिले में एनसीडी अंतर्गत ई-संजीवनी टेली कंसल्टेशन की समीक्षा की गई और निष्क्रिय चिकित्सकों की पहचान कर उनके विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया गया। कुपोषण और एमटीसी में गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों की पहचान कर उन्हें कुपोषण उपचार केंद्र (एमटीसी) भेजने की प्रक्रिया में गति लाने के निर्देश दिए गए। गर्भवती महिलाओं की सेवाओं को लेकर एएनसी जांच, पंजीकरण, नियमित टीकाकरण से संबंधित प्रशिक्षण और सेवाओं की अनिवार्यता को रेखांकित किया गया। विद्यालय में स्वास्थ्य जांच के क्रम में विद्यालयों में छात्र-छात्राओं की आयरन फोलिक एसिड टेबलेट सेवन, डेंटल स्क्रीनिंग और डब्लू एच ओ द्वारा शिक्षक प्रशिक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। स्वास्थ्य भवन निर्माण एवं पेयजल आपूर्ति की प्रगति जिले में निमार्णाधीन 08 स्वास्थ्य उपकेंद्रों, पेयजल की उपलब्धता, भवन चयन और अधूरा कार्य शीघ्र पूरा करने हेतु संबंधित कार्यपालकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जनजागरूकता और प्रशिक्षण कार्यक्रम में 10 से 25 अगस्त के मध्य फाइलेरिया जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसके लिए एएनएम व स्वास्थ्य कर्मियों को प्रशिक्षित करने की बात कही गई। लिंगानुपात में सुधार हेतु योजना : बालिकाओं के कम लिंगानुपात वाले क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम चलाने के निर्देश दिए गए। बैठक में सिविल सर्जन जगदीश प्रसाद, उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, जिला शिक्षा पदाधिकारी दिनेश कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक रामजी कुमार, जिला स्वास्थ्य समिति, समस्त चिकित्सा पदाधिकारीगण, डीपीएम, बीपीएम, एमओआईसी, स्वास्थ्य केंद्रों के प्रतिनिधि, नीति आयोग से सम्बद्ध फेलो तथा अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

युवती पर पेट्रोल डालने मामले पर सीएम ने लिया संज्ञान,जांच का दिया आदेश

संवाददाता

रांची: जिले में बीते शनिवार को कुछ युवकों ने एक किशोरी के चेहरे पर पेट्रोल फेंक दिया। वहीं, सीएम हेमंत ने इस घटना को लेकर जांच के आदेश दिए हैं।

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रांची पुलिस को मामले की जांच करने और आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। सोरेन ने सोशल मीडिया मंच एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, रांची पुलिस मामले की जांच कर आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी कर सूचित करें। साथ ही बेटी को बेहतर चिकित्सा सुविधा प्रदान करवाएं और जानकारी दें।" उन्होंने मंत्री इरफान अंसारी को भी मामले में संज्ञान लेने को कहा है।

वहीं, पुलिस ने सोरेन के पोस्ट पर जवाब दिया,ह्यह्य महोदय, रांची पुलिस को घटना की सूचना प्राप्त होने के उपरांत त्वरित कार्रवाई करते हुए घटनास्थल पर वरीय पुलिस अधिकारी के नेतृत्व में अनुसंधान प्रारंभ किया गया है तथा पीड़िता के बेहतर व प्रभावी इलाज हेतु चिकित्सकों की टीम के द्वारा इलाज किया गया है।"

पुलिस ने कहा, चिकित्सकों के मंतव्य के अनुसार पीड़िता खतरे से बाहर है तथा उसपर एसिड से हमला नहीं किया गया है, अपितु पेट्रोल आंखों में छिड़क दिया गया है। चिकित्सक के अनुसार लड़की के आंख को कोई स्थाई क्षति नहीं पहुंची है तथा वह कल तक बिल्कुल ठीक हो जाएगी। घटना में संलिप्त अपराधियों को चिह्नित किया जा रहा है।" वहीं, झारखंड की मुख्य विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य इकाई के अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने एक्स' पर लिखा, रांची के कांके क्षेत्र में एक महिला पर तेजाब हमले की दर्दनाक घटना सामने आई है, जिसमें पीड़िता बुरी तरह झुलस गई है। झारखंड में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में निरंतर और चिंताजनक बढ़ोतरी हो रही है। राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन महिलाओं को सुरक्षा देने में पूरी तरह विफल रही है।" उन्होंने कहा, हेमंत सोरेन , पीड़ित महिला के बेहतर इलाज की तत्काल व्यवस्था करें और दोषी के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें।"

बता दें कि 21 वर्षीया सलोनी राय अपने घर में आराम कर रही थी। इस दौरान एक युवक जबरन घर में प्रवेश कर गया और सलोनी के चेहरे पर पेट्रोल फेंक दिया। घटना को अंजाम देकर आरोपी मौके से फरार हो गया। आनन-फानन में सलोनी को अस्पताल पहुंचाया गया जहां उसका इलाज चल रहा है। इलाज कर रही डाक्टर भारती कश्यप ने बताया कि पेट्रोल आंख में जाने से आंखों की कार्निया डैमेज हुई है। इसमें बाईं आंख को ज्यादा नुकसान पहुंचा है। उनकी टीम आंखों का इलाज कर रही है। उन्होंने बताया कि अगर यह मामला एसिड का होता तो आंखों को बचा पाना मुश्किल था, लेकिन पेट्रोल की वजह से आंखों के कार्निया का ऊपरी सतह ही डैमेज हुई है जो धीरे-धीरे ठीक हो जाएगी और उसे देखने में कोई परेशानी नहीं होगी।

बाल कांवड़ियों के हर हर महादेव के नारों से गूंजा पहाड़ी मंदिर, नन्हे भक्तों ने किया जलाभिषेक

संवाददाता

रांचीः हर-हर महादेव के नारों के साथ रविवार सुबह नक्षत्र वन (राजभवन) से बाल कांवड़ यात्रा निकाली गयी। शिव पार्वती के स्वरूप की आरती के बाद बाल कांविरया हाथों में कांवर-जल लेकर पहाड़ी बाबा मंदिर को प्रस्थान किए। सबसे आगे रथ में सवार शिव-पार्वती चल रहे थे। उनके पीछे गेरूवा वस्त्र पहने सैंकड़ों बच्चें बच्चियां कांवड़ यात्रा कर रहे थे। रातू रोड चौराहा, दुर्गा मंदिर होते हुए सभी कांवरिया पहाड़ी मंदिर पहुंचे जहां महाकाल बाबा का जलाभिषेक भी किया। बच्चों को गेरूआ परिधान, कांवड़ लोटा के अलावा जलाभिषेक के उपरांत उन्हें उपहार स्वरूप स्नैक्स, रेन कोट, फल, पेंसिल बॉक्स आदि

दिए गये। इस दौरान बच्चों के माता-पिता भी मौजूद रहे। इस अवसर संस्थापक अध्यक्ष राजेश साहू ने कहा कि इस आयोजन का मुख्य उदेश्य बच्चों में सनातन धर्म और हमारी सभ्यता-संस्कृति के बारे में जानकारी उपलब्ध कराना है, ताकि वे आगे बड़े होकर समाज में बेहतर कार्य को अग्रसर हो सकें। प्रवक्ता बादल सिंह ने कहा कि बाल कांवड़ यात्रा 2022 से निकाली जा रही है। इस यात्रा को लेकर लगातार लोगों में उत्साह बढ़ रहा है। बच्चों को सनातन से जोड़े रखना मुख्य उदेश्य है। इस बार रांची के अलावा पलामू, दुमका, हजारीबाग सहित कई जिलों के बच्चें भी कांवड़ यात्रा में शामिल हुए। नानौलिया अग्रवाल संघ ने भी बच्चों का भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर राँची विधायक सीपी सिंह ,प्रभात खबर के संपादक विजय पाठक ,गौ सेवा आयोग अध्यक्ष राजीव रंजन, समाजसेवी कुणाल अजमानी ,स्वामी दिव्यानन्द जी,रवि प्रसाद ,अध्यक्ष राजेश साहू, प्रवक्ता बादल सिंह , मुरारी मंगल, डांस झारखंड के संचालक राम सिंह, रंजीता पांडेय, अर्चना मिर्धा, संजना शर्मा, रिवाल्डो वर्मा, स्वीटी गुप्ता, लोक कृति ,मीरा गुप्ता,मेहुल प्रसाद,अर्जुन कुमार, अमन सिंह ,हर्ष कुमार , रवि कुमार, संजना व अन्य उपस्थित थे।

अल्पसंख्यक समाजिक संगठन ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 1000 विद्यार्थियों को किया सम्मानित

संवाददाता

रांची: अल्पसंख्यक समाजिक संगठन द्वारा आज मेन रोड अंजुमन प्लाजा स्थित अंजुमन हॉल में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि डीआईजी नौशाद आलम, मौलाना जाहिद थे। विशिष्ट अतिथि अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष मुजीब अंसारी, शफीउल्लाह, जावेद अली बंटी, शहाबुद्दीन, अब्दुर्रहमान, इमरान हसन बाबू, महबूब रिजवी, मौलाना अब्दुल माजिद, लोअर बाजार, हिंदपीढ़ी, डेली मार्केट थाना प्रभारी शामिल हुए। समारोह में मैट्रिक और इंटर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करनेवाले 50 से ज्यादा स्कूलों के लगभग एक हजार उत्कृष्ट विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।मुख्य अतिथि ने सभी को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डीआईजी नौशाद आलम ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए अल्पसंख्यक समाजिक संगठन हमेशा प्रमुख भूमिका निभाती है। इसका लक्ष्य, नीति, उदेश्य और दृष्टि स्पष्ट है। इसी

उद्देश्य को लेकर सम्मान समारोह आयोजित कर सकारात्मक दिशा दी जा रही है। उन्होंने कहा कि सभी विद्यार्थियों के अंदर क्षमता होती है। कुछ अपनी क्षमता को पहले दिखाने में सफल हो जाते हैं। उन्होंने सभी को अपने अंदर की क्षमता को विकसित करने और संकल्प को मजबूत करने की अपील की। आज के इस सम्मान समारोह से अन्य विद्यार्थियों को प्रेरणा मिलेगी। झारखंड अल्पसंख्यक समाजिक संगठन के अध्यक्ष अनवर खान ने कहा कि विभिन्न स्कूलों के प्रतिभावान विद्यार्थी अपनी मेहनत से यहां तक पहुंचे हैं। सही मार्गदर्शन के साथ सही मार्ग पर आगे बढ़ें। कार्यक्रम को अल्पसंख्यक समाजिक संगठन के उपाध्यक्ष एम एस फरहान, सचिव मो नसीम, उप सचिव मुजम्मिल महबूबी, आसिफ इकबा, शहर काजी मौलाना कारी अंसारुल्लाह, मौलाना राशिद मजहरी व अन्य ने भी संबोधित किया। आयोजकों ने बताया कि इस सम्मान समारोह का उद्देश्य केवल पुरस्कार देना नहीं, बल्कि इन छात्रों की मेहनत और लगन को सलाम करते हुए उन्हें भविष्य के लिए प्रेरित करना है। संचालन मौलाना राशिद ने किया। मौके पर मुख्य रूप से एडवोकेट अख्तर हुसैन, फरिहा खान, शरीक, सैयद नेहाल अहमद, पत्रकार आदिल रशीद, मो अकरम, सहित अन्य उपस्थित थे।

विष्णु मुंडा ने एक हाथ से लिखी अपनी सफलता की कहानी जेपीएससी पास कर बने झारखंड प्रशासनिक सेवा अधिकारी

मेट्रो रेज

रांची : झारखंड की मिट्टी ने एक और बेमिसाल कहानी को जन्म दिया है। विष्णु मुंडा एक ऐसा नाम जो न सिर्फ प्रशासनिक सेवा की नई पहचान बना, बल्कि लाखों युवाओं को यह सीख भी दे गया कि अगर इरादे मजबूत हों, तो कोई भी शारीरिक, सामाजिक या आर्थिक बाधा रास्ते की दीवार नहीं बन सकती। विष्णु ने झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) परीक्षा में 282वीं रैंक हासिल कर झारखंड प्रशासनिक सेवा (जस) में चयन पाया है। लेकिन उनकी ये सफलता एक सीधी राह से नहीं, बल्कि कांटों और संघर्षों से होकर निकली है। विष्णु मुंडा रांची के तमाड़ ब्लॉक के नूरीडीह गांव के आदिवासी समुदाय से आते हैं, चकाचौंध से दूर, एक साधारण परिवार में पले-बढ़े। उनके पिता गोवर्धन मुंडा दिन में दिहाड़ी मजदूरी करते थे और रात में रेलवे अधिकारियों के रेजिडेंस में नाइट गार्ड की ड्यूटी करते थे। मां एक साधारण गृहिणी हैं और बड़ी बहन की शादी हो चुकी है। विष्णु के

बड़े भाई गाडवीन मुंडा ने खुद की पढ़ाई बीच में छोड़ दी ताकि अपने छोटे भाई विष्णु की पढ़ाई का खर्च उठा सकें। उन्होंने एक निजी संस्था में छोटी सी नौकरी कर ली, लेकिन भाई की पढ़ाई नहीं रुकने दी। शारीरिक रूप से विष्णु बचपन से ही विकलांग हैं। उनका एक हाथ नहीं है, लेकिन इस कमी को उन्होंने कभी अपनी कमजोरी नहीं बनने दिया। पढ़ाई के साथ-साथ विष्णु एक शानदार क्रिकेट खिलाड़ी भी रहे हैं। वह हजारीबाग के जाने-माने ऑलराउंडर माने जाते थे, गेंदबाजी, फील्डिंग और कैचिंग में इतने निपुण कि विरोधी टीमें यह कभी नहीं अहसास कर पाएं कि विष्णु का दाहिना हाथ नहीं है।आज जब विष्णु बड़े पद पर पहुंचे हैं तो उनकी आंखों में गर्व और माता-पिता की आंखों में आंसू हैं, आभार और खुशी के। विष्णु भावुक होकर कहते हैं, अगर मेरे माता-पिता ने भूखे रहकर, रात में जागकर और हर मुश्किल सहकर मेरा साथ नहीं दिया होता, तो शायद मैं आज यहां तक नहीं पहुंच पाता। मेरी सफलता उनकी तपस्या का फल है। विष्णु आगे कहते हैं, मैं चाहता हूं कि मेरे जैसे दिव्यांग, गरीब और आदिवासी बच्चे कभी हार न मानें। संघर्ष जीवन का हिस्सा है, लेकिन मेहनत से हर अंधेरे को उजाले में बदला जा सकता है। जो लोग सोचते हैं कि वे नहीं कर सकते, मैं उन्हें अपनी कहानी सुनाना चाहता हूं। इस मौके पर बोलते हुए आफताब आलम ने कहा विष्णु की कहानी न केवल शिक्षा क्षेत्र में प्रेरणा देती है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि अगर राज्य सरकार और समाज मिलकर दिव्यांग और पिछड़े वर्ग के होनहार छात्रों को उचित मार्गदर्शन और अवसर दें, तो वे भी प्रशासनिक सेवा जैसे ऊँचे पदों तक पहुँच सकते हैं। झारखंड डिसएबल स्पोर्ट एंड वेलफेयर अकेडमी के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह, उपाध्यक्ष अर्चित आनंद,शमसेर आलम, जगदीश सिंह, जग्गू, सचिव आफताब आलम,उपसचिव मुकेश कुमार दुबे, शमशेर आलम, रवि चौहान,झारखण्ड अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य वारिस कुरैशी, शमशेर राही,झारखंड दिव्यांग क्रिकेट टीम के कप्तान मनीष कुमार अफरोज अंसारी, इरफान अंसारी, जाहिद अंसारी और संस्था के सारे सदस्यों ने बधाई दी ।

जन-जन की आवाज है प्रधानमंत्री के मन की बातः संजय जायसवाल

रांचीः भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य संजय कुमार जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात में स्वच्छता अभियान लोकल फोर भोकाल सहित अन्य कई विषयों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात में हर दिन कुछ नया सीखने को मिलता है शुभांशु शुक्ला की वापसी पर बोले पीएम मोदीः पीएम मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम की शुरूआत शुभांशु शुक्ला से की। पीएम मोदी ने कहा, श्शुभांशु जैसे ही अंतरिक्ष से लौटे पूरे देश में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। पूरा देश गर्व से भर गया। अगस्त 2023 में चंद्रयान 3 की सफल लैंडिंग के बाद साइंस और स्पेस को लेकर देश में नया माहौल बना। इसे लेकर बच्चों में जिज्ञासा जागी। अब छोटे-छोटे बच्चे भी कहते हैं कि हम भी स्पेस में जाएंगे। इसमें मुख्य रूप से उपस्थित समझो ना मंडल के महामंत्री राजकुमार जायसवाल युवा मोर्चा महानगर जिला के मंत्री शुभम कुमार जायसवाल, ओमप्रकाश ,संतोष कुमार चौधरी, अविनाश राय, सुरेंद्र साहू, बबीता देवी ,सुनीता देवी, गीता देवी, प्रत्याशी पीयूष गुप्ता ,आशीष कुमार, तरुण कुमार जायसवाल, प्रिंस कुमार यादव ,रामू राव, राजू वर्मा सहित सैकड़ो बूथ के मतदात एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

श्योर सक्सेस कोचिंग सेंटर में कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को दी गयी श्रद्धांजलि

मेट्रो रेज संवाददाता

खूंटीः श्योर सक्सेस कोचिंग सेंटर, मुरहू में शनिवार को कारगिल विजय दिवस के अवसर पर शहीदों को 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान संस्थान के शिक्षक एवं निदेशक सकलदीप भगत ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि 26 जुलाई 1999 का दिन भारतीय सेना के अदम्य साहस और बलिदान का प्रतीक है, जब उन्होंने पाकिस्तानी घुसपैठियों को खदेड़कर कारगिल में विजय पताका फहराया था।

भगत ने कहा, इस युद्ध में हमारे वीर जवानों ने अपने प्राणों की आहुति देकर देश की रक्षा की और पूरे राष्ट्र के लिए गौरव का क्षण सृजित किया। उनका बलिदान हमें सदैव प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने याद दिलाया कि कारगिल युद्ध 60 दिनों तक चला और 26 जुलाई को भारत ने निर्णायक विजय हासिल की। इस साल इस घटना के 26 वर्ष पूरे हो गए हैं।

कार्यक्रम में शिक्षिका रिया सहित कई छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। संस्थान के शिक्षकों ने छात्रों से देशभक्ति और कर्तव्यनिष्ठा की सीख लेने का आह्वान किया।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई–निविदा सूचना

डी.आर.एम. / कर्षण वितरण, उ.प.रे. जोधपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के वास्ते एवं मंडल की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए ई–निविदा आमंत्रित करते हैं। **1. सम्पूर्ण जानकारी के लिए वेबसाईट का पता:** http://www.ireps.gov.in, **2. ई–निविदाएं प्रस्तुत करने की तिथि व समय:** 18.08.2025 को 15.00 बजे तक, **3. ई–निविदाएं खोलने की तिथि व समय:** 18.08.2025 को 15.00 बजे के बाद, **निविदा संख्या:** GSU-ELECT-JU-02-2025-26, **कार्य का नाम:** TRD work in connection with (i) Proposed new block station between Didwana-Ladanu station of DNA-RTGH section of JU Division (ii) Development of customer facilities at Goods shed of Tilwara station (iii) Wheel lathe line & other associated facilities at JSM, **कार्य की अनुमानित लागत (रूपये):** ₹38729135.00, विस्तृत जानकारी हेतु कृपया **http://www.ireps.gov.in** पर विजिट करें। **920-PS/25**

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

झारखण्ड प्राइवेट स्कूल वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक

गैर मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों को जल्द से जल्द मान्यता दे सरकार : अरविंद कुमार

मेट्रो रेज

रांचीः झारखण्ड प्राइवेट स्कूल वेलफेयर एसोसिएशन, रांची की बैठक प्रभा पूंज पब्लिक स्कूल, सिलगाई, चान्हो में हुई। जिसमें गैर मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों पर आ रही समस्याओं पर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए अरविन्द कुमार ने झारखण्ड सरकार को निजी स्कूलों पर ध्यान देना चाहिए क्योंकि अभी राज्य में गरीब और मध्यम परिवार के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने का बीड़ा हम ही जैसे छोटे बड़े निजी विद्यालय जो गली मोहल्लों और जिला के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में सफलता पूर्वक संचालन कर रहे हैं। ऐसी परिस्थिति में जमीन सम्बन्धी बाध्यता को पूर्ण रूप से समाप्त कर विद्यालय के भवन संरचना को देखते हुए प्राइमरी या मध्य विद्यालय तक मान्यता दे कर समस्या का समाधान निकाला जाना चाहिए। विदित हो कि झारखण्ड में यू डायस मिले लगभग 6000 स्कूल संचालित हैं। जिसमें लगभग 8 लाख 40 हजार के लगभग छात्र शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

अध्यक्ष अरविन्द कुमार ने कहा कि झारखण्ड ही नहीं बल्कि पूरे देश में गैर मान्यता प्राप्त विद्यालय चल रहे हैं और सरकार इन विद्यालयों से छात्र का , शिक्षकों का पूर्ण विवरण प्रति वर्ष लेती है । इन विद्यालयों में निम्न आय वर्ग के परिवार के बच्चे शिक्षा ग्रहण करते हैं, उनसे कम से कम फीस में

अच्छी शिक्षा देने का प्रयास किया जा रहा है। वैसी स्थिति में झारखण्ड सरकार को जल्द से जल्द मान्यता देने पर सोचना चाहिए। जेपस्वा के महासचिव मोजाहिददुल इस्लाम ने कहा कि संगठन में बल है ये सभी जानते हैं फिर भी संगठित होना नहीं चाहते, हम ये सोचते हैं कोई मेरे लिए सभी काम कर दे। हमको कुछ करने की जरूरत नहीं है। जब हम संगठित रहेंगे तभी शैक्षणिक स्तर पर हम मिलजुल कर नया परिवर्तन ला सकते हैं। हम नए तकनीक का उपयोग कर सकते हैं । महासचिव मोजहिदद ने छात्रों की छात्रवृति और फॉर्म भरने का तकनीक पर भी फोकस डाले। जेपस्वा के कोषाध्यक्ष आलोक बिपिन टोप्पो ने कहा कि बहुत से विद्यालयों के पास यू डायस कोर्ड नहीं है, सरकार वैसे विद्यालयो को भी यू डायस कोर्ड उपलब्ध करा कर शिक्षा के मूल धारा में जोड़ना चाहिए। वैसे विद्यालयों के लिए भी हम जिनसे भी प्रतिनिधि मंडल मिलते हैं इस समस्या को जरूर रखते हैं और सरकार से माँग करते है कि जल्द से जल्द इन विद्यालयों को यू डायस कॉर्ड दे कर विद्यालय, छात्रों और शिक्षकों का डाटा सरकार को देना चाहिए। आलोक बिपिन ने सी एन टी एक्ट और एस पी टी एक्ट के बारे भी विस्तार पूर्वक बतलाए और ऐसे जमीन जिनको मात्र 5 साल के लिए लीज की व्यस्था है उन नियमों को बदलने की आवश्यकता है। जेपस्वा के संगठन सचिव रणधीर कुमार कौशिक छात्र अभिभावक बैठक, शिक्षकों का प्रशिक्षण, संगठन की महत्ता पर विचार दिए। कार्यक्रम का संचालन अमीन अंसारी उपाध्यक्ष जेपस्वा ने कहा कि जेपस्वा ही अकेला एक संगठन है जो मन्त्रीगण, विधायक गण, सांसद और शिक्षा विभाग के पदाधिकारियों से लगातार मिल कर अपनी मांगों को रखते हैं और कई तरह के समस्यों का निराकरण भी करते हैं। यह संगठन पूर्ण रूप से हर समय एक्टिव रहता है। स्वागत भाषण सुभान्सु कुमार, प्राचार्य, प्रभा पूंज पब्लिक स्कूल ने किया । जबकि धन्यवाद ज्ञापन सुभाष कुमार, सह सचिव जेपस्वा ने किया। सिस्टर सरोज बेक, लोचन कुमारी, मो जमील अंसारी माजिद अंसारी, नरेश कुमार यादव,विनोद टोप्पो ,मेराज अंसारी ,प्रदीप उरांव, खुर्शीद अंसारी,अजहर हुसैन व अन्य ने चर्चा में भाग लिया और मिलजुल कर काम करने को कहा। बैठक में अरविंद कुमार, मोजाहिददुल इस्लाम, आलोक बिपिन टोप्पो, सुभाष कुमार , अमीन अंसारी, लोहरदगा के मजीद अंसारी मुकेश कुमार सिंह, रणधीर कुमार, बाबूराम महतो, पुरुषोत्तम सिंह, विजय कुमार, धर्मशीला सिंह, पुरुषोत्तम कुमार, कमल सिंह, सच्चिदानन्द कुमार, सुभोजित अधिकारी, जीशान अख्तर, साबिर हुसैन, विकाश कुमार, मो सनाउल्लाह, मो जमील, मजीद खान, प्रदीप उरांव, नरेश कुमार यादव विद्यालय के निदेशक शालिक राम पांडेय व अन्य उपस्थित थे।

उपायुक्त का कार्यालय, कोडरमा
सामाजिक सुरक्षा कोषांग
(बाल–संरक्षण)

आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि बाल कल्याण समिति, कोडरमा के पत्रांक– 506 / बा0 क0 स0 / 2025 दिनांक– 26.07.2025 के आलोक में RPF कोडरमा द्वारा दिनांक–17.07.2025 को हटिया–आसनसोल इण्टरसीटी एक्सप्रेस ट्रेन नम्बर–13514 के कोच से गुमशुदा अज्ञात बालिका उम्र लगभग–17 वर्ष को बरामद कर रेलवे चाईल्ड हेल्प लाईन, कोडरमा को सुपूर्द करते हुए बाल कल्याण समिति, कोडरमा के समक्ष प्रस्तुत किया गया। बालिका बोलने व सुनने में असर्थ है तथा कोई पहचान–पत्र नहीं पाया गया है। वर्तमान में उक्त बालिका बाल कल्याण समिति, कोडरमा के संरक्षण में है, उक्त बालिका की विवरणी निम्नवत् है:–

बालिका का नाम – नामालूम
माता / पिता व पता – नामालूम
उम्र – 17 वर्ष लगभग,
रंग– सांवला, वजन – 36 कि0ग्रा0 लगभग
लम्बाई– 5 फीट लगभग,

उक्त बालिका के माता–पिता की खोज–बीन जारी है। बालिका के परिवार व रिश्तेदार के सम्बंध में किसी भी व्यक्ति को कोई जानकारी प्राप्त होती है तो बाल कल्याण समिति अथवा जिला बाल संरक्षण इकाई, कोडरमा से सम्पर्क किया जा सकता है।

सम्पर्क नं0:–
बाल कल्याण समिति, कोडरमा।
8340552130, 7870157568
जिला बाल संरक्षण इकाई, कोडरमा।
8539973546, 9608145888, 8210881013

ह0 / –
जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी,
कोडरमा

PR 358317 Social Welfare,Women and Child Development(25-26).D

सोशल मीडिया पर पोस्ट करने से पहले सोचें

आजकल सोशल मीडिया लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर हावी हो गया है। भारत की बात करें, तो सोशल नेटवर्किंग साइट्स लोगों, खास तौर पर युवाओं के लिए नशे जैसी हो गई हैं। आलम यह है कि बहुत-से लोगों को रोज फेसबुक-ट्विटर देखे बिना नींद ही नहीं आती। दिक्कत यह है कि कई लोग इस भ्रम में होते हैं कि वे सोशल मीडिया पर कुछ भी लिख सकते हैं, किसी के बारे में कुछ भी विचार व्यक्त कर सकते हैं.यहां सब कुछ चलता है!

जरा सोचिए, व्यवहारिक दुनिया में आप कितने डिप्लोमैटिक रहते हैं। अपने बॉस या सहकर्मी के बारे में आपके मन में जो विचार आते हैं, क्या वे सभी विचार आप उनके सामने व्यक्त कर सकते हैं? नहीं ना? तो यह क्यों सोचते हैं कि सोशल मीडिया में आप वह सब कुछ लिख सकते हैं, जो आपके मन में आए?
सच तो यह है कि सोशल मीडिया पर सक्रियता अगर कुछ हद तक आपकी तरक्की की राह आसान करती है, तो कई बार आपकी गलती से यह सक्रियता तरक्की की राह में रोड़ा भी बन सकती है। सोशल मीडिया पर कुछ भी पोस्ट करने से पहले उसके असर के बारे में जरूर सोच-विचार कर लें। ऐसा कुछ पोस्ट करने का प्रयास करें, जिससे आपका करियर बेहतर होता हो, न कि ऐसा कुछ जिससे आपके करियर की गाड़ी पटरी से उतर जाए।

तस्वीरों से बचें

फेसबुक या अन्य किसी नेटवर्किंग साइट पर अपनी ऐसी कोई तस्वीर न रखें, जिससे आपकी छवि खराब होती हो। मसलन, अगर कोई टीचर है और शराब पार्टी में शामिल होने की फोटो शेयर करता है, तो इससे उसकी अपने स्टूडेंट्स के बीच छवि खराब हो सकती है।

प्लेटफॉर्म का ध्यान रखें

यह ध्यान रखें कि किस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कैसी चीज पोस्ट की जा सकती है। उदाहरण के लिए बच्चों की गतिविधि अपनी हॉबी, मंदिर जाने जैसी रोजमर्रा की जानकारी आप फेसबुक पर शेयर कर सकते हैं लेकिन लिंक्डइन जैसी प्रोफेशनल नेटवर्किंग वेबसाइट पर नहीं। लिंक्डइन पर ऐसी पर्सनल जानकारी या तस्वीरें शेयर करनी चाहिए, जिससे प्रोफेशनल तबका प्रभावित हो।

नकारात्मकता से दूर रहें

आपके सोशल मीडिया अकाउंट पर आपकी प्रोफेशनल या पर्सनल लाइफ के बारे में लोगों के मन में पॉजिटिव इमेज बननी चाहिए। आपकी पोस्ट नकारात्मकता से भरी होगी, तो आपके बारे में अच्छी राय नहीं बनेगी। इस बात पर विचार करें कि आपके पोस्ट से ज्यादा-से-ज्यादा लोग आपसे जुड़ रहे हैं या आपसे दूर होते जा रहे हैं।

करियर में चार चांद लगा सकती है वॉटर साइंस फील्ड

वॉटर साइंस यानी जल विज्ञान अपने आपमें साइंस की एक बड़ी शाखा है। इसमें न सिर्फ वॉटर साइकिल को स्टडी किया जाता है, बल्कि रिसर्च करके अलग-अलग जगहों पर पानी से जुड़ी प्रॉब्लम्स को दूर करने के विकल्प तलाशे जाते हैं।

आज दुनिया का शायद ही ऐसा कोई देश हो, जो पानी से जुड़ी किसी समस्या से ग्रस्त न हो। ऐसे में एक वॉटर साइंटिस्ट के लिए हर जगह संभावनाएं हैं। यह एक ऐसी फील्ड है, जो आपके करियर में चार चांद लगा सकती है।

क्या है वॉटर साइंस

वॉटर साइंस पानी की जमीन और भूमिगत प्रॉसेस से रिलेटेड साइंस है। इसमें धरती पर मौजूद पहाड़ों और मिनरल्स के साथ पानी की फिजिकल, केमिकल और बायोलॉजिकल प्रॉसेस और लिविंग ऑर्गेनिजम्स के साथ इसकी एनालिसिस शामिल है। वॉटर साइंस की स्टडी करने वाले एक्सपर्ट्स ही वॉटर साइंटिस्ट कहलाते हैं। वॉटर साइंस की फील्ड में हाइड्रोमिटिरोलॉजी, भूतल, वॉटर साइंस, हाइड्रोजिओलॉजी, ड्रेनेज बेसिन मैनेजमेंट और जल गुणवत्ता से जुड़े सब्जेक्ट्स आते हैं। इसकी कई ब्रांचेज हैं, जैसे- केमिकल वॉटर साइंस, इकोलॉजिकल वॉटर साइंस, हाइड्रोइन्फॉरमैटिक्स वॉटर साइंस।

क्या हैं फ्यूचर प्रॉस्पेक्ट्स?

वॉटर साइंटिस्ट बनकर आप विभिन्न प्रकार के ऑर्गेनाइजेशन्स के लिए काम करके अच्छी सैलेरी पा सकते हैं। सरकारी व गैर-सरकारी संस्थाओं में वॉटर साइंटिस्ट को अच्छे पैकेज पर एपॉइंट किया जाता है। इसके अलावा आप काउंसलर के रूप में भी काम कर सकते हैं। जैसे- सिविल इंजीनियरिंग, एनवायरमेंटल मैनेजमेंट और इवैल्युएशन में सेवाएं उपलब्ध कराना। इसके अलावा आप नई एनालिटकल टेक्नीक्स के जरिए टीचिंग और रिसर्च भी कर सकते हैं। यूटिलिटी कंपनियां और सार्वजनिक प्राधिकरण के साथ जुड़कर जलापूर्ति और सीवरेज सेवाएं प्रदान कर सकते हैं।

कैसी होनी चाहिए स्किल्स?

वॉटर रिसोर्सेज डेवेलपमेंट और मैनेजमेंट में करियर बनाने के लिए आपमें पेशेंस, डिटरमिनेशन, विस्तृत और अच्छी एनालिसिस करने की एबिलिटी होनी बहुत जरूरी है। इसके साथ ही टीम वर्क की भावना और एफेक्टिव कम्युनिकेशन इस फील्ड में बने रहने के लिए जरूरी है।

कौन से कोर्सेज हैं जरूरी?

देशभर की कई यूनिवर्सिटीज वॉटर साइंस और वॉटर रिसोर्सेज जैसे सब्जेक्ट्स में ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्स कराती हैं। वॉटर साइंस में करियर बनाने के लिए आप इस सब्जेक्ट से बीएससी करने के बाद एमएससी और फिर पीएचडी या एमफिल कर सकते हैं।

कैसा है रेम्युनेरेशन?

अपने करियर की शुरुआत में आप 18-20 हजार रुपए तक कमा सकते हैं। इस फील्ड में एक्सपीरियंस काफी मायने रखता है।

खुद के लिए समय निकालें

क्या आप उन लोगों में से हैं जिनके पास घर, काम, अपने समुदाय की तरह-तरह की जिम्मेदारियों की अच्छी खासी सूची है और आप इसे संतुलित करने की कोशिश में लगे रहते हैं। आपका यह इरादा प्रशंसनीय है कि आप एक साथ कई जिम्मेदारियों को बखूबी निभा रहे हैं। लेकिन आपको एक अलग अप्रोच के लिए काम करने का तरीका अपनाना चाहिए। यहां कुछ टिप्स दिए जा रहे है जो कि आपके लिए फायदेमंद हो सकते हैं

- आपको उन चीजों पर ज्यादा फोकस करना चाहिए जो आपके लिए ज्यादा मायने रखते हों। अगर आप चीजों को आसान बनाना चाहते हैं तो आपके पास एक सिंगल टास्क लिस्ट होनी चाहिए। आपको आपके कैलेंडर में सारी चीजें फीड करना चाहिए और उन्हें प्राथमिकता के हिसाब से पूरा करते रहना चाहिए। इस तरह आपका ध्यान फोकस रहेगा और आप काम में भटकेंगे नहीं। इसका एक कारण यह भी है कि प्राथमिकता तय करने से आप महत्वपूर्ण काम को पहले कम पाएंगे जिससे आप रिलेक्स भी रहेंगे।
- अगर आप सामान्य से कुछ घंटे पहले नींद से उठने की आदत डालेंगे तो आपको पूरे दिन रिलेक्स महसूस होगा। आप एक्सरसाइज कर सकते हैं, पढ़ सकते हैं और शांति से दो पल बैठ सकते हैं। साथ ही जल्दी उठने के हेल्थ बेनिफिट्स भी आपको मिलेंगे। जल्दी उठने वाले प्रोएक्टिव, चीयरफुल और डिप्रेशन से कोसों दूर रहते हैं।
- आपने अपना सौ प्रतिशत दिया लेकिन आप जिस तरह का रिजल्ट चाहते थे, नहीं आ पाया। ऐसे में निराश होना स्वाभाविक है। अब लोग उसे लेकर ही चिंतन-मनन में लगे रहते हैं और अपनी प्रोडक्टिविटी प्रभावित करते हैं। आप अपने साथ ईमानदार रहें और चीजों में सौ प्रतिशत देने के बाद उसके परिणाम को लेकर आसक्त न रहें।
- आपके पास पहले से ही खूब काम है और ऊपर से आप ने बेमतलब की जिम्मेदारी और लेकर अपना बर्डन बढ़ा लिया। अगर आप किसी भी काम में ना करने से हिचकिचाते हैं तो यह आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है। आपको अपने रूटीन में थोड़ा पर्सनल टाइम चाहिए होता है और उसमें भी आपने कुछ ऐसे टास्क ले लिए तो आपके हाथ निराशा ही हाथ लगेगी। मी टाइम लेकर अपराधबोध मत रखिए। यह आपके लिए बहुत जरूरी है।

इंटरनेशनल ब्यूटी कॉन्टेस्ट्स हों या हाई प्रोफाइल विदेशी हस्तियों की यात्रा, ऐसे इवेंट्स को सफल बनाने में एक लिंग्विस्ट की बड़ी भूमिका होती है। लिंग्विस्ट यानी वह लैंग्वेज प्रोफेशनल, जिसकी एक से ज्यादा भाषाओं पर मजबूत पकड़ हो। अगर आपको भी नई भाषाएं सीखने और उनमें निपुणता हासिल करने में दिलचस्पी है, तो आप बन सकते हैं बेहतरीन लिंग्विस्ट।

लिंग्विस्ट के फील्ड में अवसरों की कमी नहीं

भाषा के क्षेत्र में करियर जितना अलग है, उतना ही रोचक भी। एक से ज्यादा भाषाओं की जानकारी आपको न सिर्फ दूसरे देशों और संस्कृति से जोड़ती है, बल्कि कई फील्ड्स में करियर के रास्ते भी खोलती है। आज भाषाओं के क्षेत्र में बेहतरीन प्रोफेशनल्स की काफी डिमांड है। हॉस्पिटल्स हों या बैंक्स, जांच एजेंसियां हों या पब्लिशिंग हाउसेज, हर उद्योग में लिंग्विस्ट के लिए काफी स्कोप है।

अगर आपको भी भाषाओं में दिलचस्पी है, तो आप लिंग्विस्टिक्स में बना सकते हैं शानदार करियर।
लिंग्विस्टिक्स भाषा की वैज्ञानिक स्टडी है। इसमें किसी भाषा विशेष की बनावट और उसके विकास के साथ-साथ दूसरी भाषाओं के साथ उसके संबंध के बारे में भी पढ़ाया जाता है। इसमें भाषा के हर पहलू को कवर किया जाता है। इस विषय के विद्यार्थी के पास भाषा की उत्पत्ति से लेकर उसके विकास तक की जानकारी होती है।

कौन-से कोर्स?

आप किसी भी स्ट्रीम में ग्रेजुएशन करने के बाद लिंग्विस्टिक्स में पोस्ट ग्रेजुएशन कर सकते हैं। हालांकि ज्यादा अच्छे रेम्युनरेशन के लिए इस फील्ड में उच्च शिक्षा प्राप्त करना ज्यादा फायदेमंद होगा। सरकारी सेवाओं में भी लिंग्विस्टिक्स में काफी मांग है।

लिंग्विस्टिक्स में पढ़ाई करने के बाद करियर ऑप्शन होते हैं

लिंग्विस्ट

आप भाषा की उत्पत्ति और विकास में विशेषज्ञता हासिल कर सकते हैं और रिसर्च करके स्पीच रिकग्निशन में काम कर सकते हैं।

टीचर

आप किसी भी भाषा विशेष का अध्यापन कर सकते हैं। इस तरह के टीचर्स की कई विश्वविद्यालयों में

ट्रांसलेटर

इस जॉब में आपको किताबों, स्क्रिप्ट्स और लेखों का दूसरी भाषा में अनुवाद करना होता है।

इंटरप्रिटर

इंटरप्रिटर के तौर पर बिजनेस एग्जीक्यूटिव्स या सरकारी अधिकारियों के साथ दूसरे देशों की यात्राओं पर जाने का मौका मिलता है। यहां आप दो लोगों को संवाद करने में मदद करते हैं।
यह बहुत ही टफ जॉब है क्योंकि आपको इस बात का ध्यान रखना होता है कि मूल वाक्य का अर्थ आपके इंटरप्रिटेशन में बदल न जाए। साथ ही, वाक्य बोले जाने के बाद आपको उसका अनुवाद सोचने के लिए न के बराबर समय मिलता है।

संभावनाएं

इस फील्ड में अवसरों की कोई कमी नहीं है। आप हॉस्पिटल्स में बतौर स्पीच थैरेपिस्ट, बैंक्स में बतौर लैंग्वेज इनपुट ऑफिसर, पब्लिशिंग हाउसेज में बतौर ट्रांसलेटर और लेक्सिकोग्राफर, पीआर इंडस्ट्री, ट्रैवल एंड टूरिज्म इंडस्ट्री, आईटी इंडस्ट्री में वॉइस रिकग्निशन सॉफ्टवेयर डेवलपर, मिलेट्री, इंटेलिजेंस और फॉरेन सर्विसेज में काम करके बेहतरीन करियर बना सकते हैं।

अप्रेजल को लेकर है टेंशन, तो जरा इन बातों पर ध्यान दें

कार्तिक एक नामी कंपनी में पिछले कई वर्षों से काम कर रहे हैं। अपने इनोवेटिव अप्रोच और परिश्रम की वजह से आज वे एक सीनियर और जिम्मेदारी भरे पद पर हैं। किसी भी प्रोजेक्ट की प्लानिंग और उस पर अमल से लेकर फाइनल आउटपुट तक वे हर कदम पर अपनी टीम के साथ लगे रहते हैं। वे चाहते, तो सारे काम अपने अधीनस्थों को सौंपकर निश्चिंत हो सकते थे लेकिन बिना खुद काम किए उन्हें तसल्ली नहीं होती। ऐसा नहीं है कि उन्हें अपनी टीम पर भरोसा नहीं है या फिर उनकी टीम कमजोर है। इसके बावजूद हर काम पर बारीकी से नजर रखते हुए आगे बढ़ना उनकी आदत में शुमार है। यही कारण है कि उनके तमाम प्रोडक्ट्स का आउटपुट प्रभावशाली होता है। हालांकि इसके लिए वे प्रशंसा की ज्यादा उम्मीद नहीं करते, क्योंकि उन्हें लगता है कि बेहतर आउटपुट से जो सुकून मिलता है, वही उनके लिए सबसे बड़ा पुरस्कार है।

बाहर नहीं, भीतर देखें

आपके काम से ही आपकी पहचान होती है। कई बार आप सोचते होंगे कि मैं तो इस संस्थान में इतने वर्षों से काम कर रहा हूं, लेकिन मुझे न तो कभी अच्छा इंक्रीमेंट मिला और न ही उपयुक्त प्रमोशन। हो सकता है कि इस बात को लेकर आप दुखी और निराश भी हों। लेकिन क्या आपने कभी इस बात पर गंभीरता से विचार किया कि आखिर क्यों दूसरों को बेहतर इंक्रीमेंट मिल जाता है और आपको नहीं? यदि नहीं किया, तो अब जरूर इस बात पर विचार करें। दूसरों को कोसने या उनसे ईर्ष्या करने से कुछ हासिल होने वाला नहीं है। बेहतर यही होगा कि दूसरों की उपलब्धियों को देखकर दुखी या निराश होने के बजाए अपने भीतर देखें और अपनी कमियों को दूर करने का प्रयास करें।

ढूंढें सवालों के जवाब

अब तक के करियर में आपने कितनी बार किसी काम के लिए बॉस के सामने पहल की है या कोई इनोवेटिव आइडिया दिया है? क्या आप नई चुनौतियों को स्वीकार करने से बचते रहे हैं? क्या आप इसलिए बॉस के सामने पड़ने से कतराते हैं कि कहीं वे आपको कोई नया काम न सौंप दें? क्या आपने अपनी जिम्मेदारियों को बिना किसी गलती के, पूरी कुशलता के साथ डेडलाइन पर पूरा किया है? क्या आप पिछली गलतियों से सबक लेते हुए इस बात का ध्यान रखते हैं कि आगे उन्हें दोहराया न जाए? क्या आप किसी काम को करने में लंबा वक्त लेते हैं और डेडलाइन का पालन नहीं कर पाते? क्या आपके पास पेंडिंग कार्यों की लाइन लगी रहती है? क्या वाकई आपके ऊपर ज्यादा काम का बोझ है या फिर आप दूसरों को ऐसा दिखाते भर हैं? इन सब सवालों पर मंथन कर इनके उत्तर ईमानदारी से देना जरूरी है।

उत्साह भरी पहल

याद रखें, सिर्फ घड़ी देखकर मशीन की तरह काम में जुटे रहने से न तो पहचान मिलती है और न ही रिवॉर्ड। आज हमारे जीवन में टेक्नोलॉजी का दखल काफी बढ़ चुका है। इसकी वजह से स्मार्ट वर्क-स्टाइल को बढ़ावा मिल रहा है। ऐसे में हम पुरानी धीमी पद्धतियों और सोच से चिपके नहीं रह सकते, बल्कि हमें भी वक्त के साथ अपनी सोच और वर्क-स्टाइल में बदलाव लाने के लिए तत्पर रहना चाहिए। यह न सोचें कि अब नई टेक्निक कैसे सीखेंगे! आप चाहेंगे, तो अपने काम को स्मार्ट तरीके से करने की हर स्किल सीख सकते हैं। हां, इसके लिए उत्सुकता और उत्साह दोनों जरूरी हैं। अपने भीतर की काहिलियत को भगाएं और आगे बढ़कर पहल करें। उत्साहित रहकर काम करेंगे, तो खुश भी रहेंगे और इसका बेहतर परिणाम भी दिखेगा।

कर्म पर करें भरोसा

अगर आप स्मार्ट और इनोवेटिव तरीके से काम करेंगे, तो उसे जरूर सराहा जाएगा। अपने और अपने विभाग के कार्यों को सामने लाने का प्रयास करें, ताकि वह कहीं अनदेखा-अनजाना न रह जाए। सामने आने वाली नई चुनौतियों को भी आगे बढ़कर स्वीकार करें और उनमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास करें। इसके लिए अपनी टीम के साथ मिलकर काम करें। न तो खुद हताश हों और न ही कभी टीम को हताश होने दें।

न हों निराश

क्या आपको लगता है कि आपने तो हर तरह से बेहतर काम करने और अच्छा परिणाम देने का प्रयास किया, फिर भी उम्मीद के मुताबिक न तो प्रमोशन मिला और न इंक्रीमेंट? यदि हां, तो जरा सोचें कि क्या पहले भी आपके साथ ऐसा हुआ है? अगर पहले उम्मीद के मुताबिक या उम्मीद से ज्यादा मिलता रहा है और सिर्फ इसी बार ऐसा नहीं हुआ, तो फिर आपका निराश या हताश होना उचित नहीं है। खुद को समझाएं और जितनी जल्दी हो सके, अपने आप को व अपने काम को पहले की तरह पटरी पर ले आएं। अगर आप प्रतिक्रिया में काम को लेकर लापरवाही करेंगे या अपने व्यवहार में बेरुखी दिखाएंगे, तो संभव है कि इससे गलत संदेश निकले और आपकी छवि खराब हो। अपना उत्साह और काम के प्रति प्रतिबद्धता बनाए रखेंगे, तो आगे निश्चित ही सकारात्मक परिणाम दिखाई देगा।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

मारपीट कर गंभीर रूप से कर दिया घायल, प्राथमिकी दर्ज

साहिबगंज : गंगा नदी थाना क्षेत्र के गदाई दियारा निवासी नंदलाल मंडल उम्र 65 वर्ष एवं अजीत मंडल उम्र 70 वर्ष को पांच से छः लोगों ने मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल अपनी शिकायत को लेकर गंगा नदी थाना पहुंचा जहां गंगा नदी थाना पुलिस ने इलाज के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।घायल अजीत मंडल ने बताया कि भैंस को चरा रहे थे।तभी विमल मंडल ,गोपाल मंडल, मुरारी मंडल, लालू मंडल आया और कहने लगा यहां भैंस नहीं चराना है। विरोध करने पर ये लोगों द्वारा मुझे एवं मेरे समधी को मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया।इधर पुलिस मामले की जांच की जा रही है।

मारपीट में एक घायल

साहिबगंज : नगर थाना क्षेत्र के के कुलीपाड़ा निवासी मो. मुराद 57 वर्ष को एक व्यक्ति ने मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया।घायल अवस्था में ही मुराद इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचा।जहां डाक्टर अपने प्राथमिक उपचार किया। घायल मो. मुराद ने बताया कि हटिया के रास्ते से कुछ सामान लाने के लिए जा रहा था।तभी दुर्गा मंदिर के पास फंटूश नामक व्यक्ति ने पैसे के लेनदेन को लेकर कहां सुनी हो गई।इसी दौरान कांच की बोतल उठाकर मेरे सर पर मार दिया और मेरा सर फट जिससे बुरी तरह घायल हो गये।

पति लाचार पत्नी को भगा ले गया कोई और

साहिबगंज : नगर थाना क्षेत्र के पुरानी साहिबगंज ठाकुर बाड़ी निवासी सूरज सवारिया ने अपनी पत्नी की गुम हो जाने को लेकर पुलिस को आवेदन दिया हैं।सूरज ने बताया आवेदन में बताया कि बीते 23 जुलाई मेरी पत्नी पूजा कुमारी 20 वर्ष घर से कहकर निकली की मैं बैंक ऑफ बड़ौदा जा रही हूं। लेकिन काफी समय बीत जाने के बाद घर वापस नहीं आई। मेरी पत्नी का मोबाइल पर भी काफी कॉल करने के बाद भी वह फोन उठाई।बताया की मेरी पत्नी मायके में रह रही है। वह किसी संतोष कुमार नाम के युवक मोबाइल पर कभी-कभी बात किया करती थी। संतोष कुमार युवक के द्वारा मेरी पत्नी को बहला फुसलाकर गलत नियत से भाग ले गया ।जिसमें मेरी पत्नी पूजा कुमारी ने घर से 36 हजार कैश मां के बक्सर से चुपचाप सारे रुपए ले भागी। इधर पुलिस मामले की छानबीन कर रही हैं।

मारपीट में जिसमें आधा दर्जन से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के मदनशाही सोतीचौकी पांगड़ों गांव में दो परिवारों के बीच जमकर मारपीट हो गई जिसमें आधा दर्जन से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हो गया। सभी अपनी शिकायत को लेकर जिरवाबाडी थाना पहुंचे जहां पुलिस ने सभी को इलाज के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

वही पहले पक्ष के बाबूलाल मुंडा ने बताया कि मैं घर सकरीगली हाथीगढ़ का रहने वाला हूं।मुझे सूचना मिला कि आप की बहन रिंकी के साथ मारपीट हो रहा है। जब अपनी बहन के घर पहुंचा तो देखा कि मेरा बहन एवं भांजी चांद मुनि देवी को मारकर घायल कर दिया वह लोग मेरा भांजा का ससुराल का सब रहने वाला है। जब पहुंच कर देखा और कुछ कहना चाहा कि पीछे से ईंट और लाठी से सर पर मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। वही दूसरे पक्ष के रिंकी देवी पति दीपक मुंडा ने बताया कि मेरा पति दूसरा शादी करना चाहता है।जिससे सभी ससुराल वालें दीपक के पक्ष में खड़े हुए है। जहां शुक्रवार की शाम 7: 30 बजे दीपक मुंडा शराब के नशे में धुत होकर बाइक निकल रहा था। जब मैं कहीं नहीं जाने के लिए रोका तो ननद गोगिया देवी ,ननद चमेली देवी , भूदेव मुंडा, एवं दीपक मुंडा द्वारा बाल पकड़ कर जमीन पर गिरकर मारपीट करने लगा। वही जान मारने की नीयत से मेरी गला में पैर रखकर एवं लाठी डंडा से मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। इधर जिरवाबाड़ी थाना पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

मेरा युवा भारत साहेबगंज के द्वारा कारगिल विजय दिवस का आयोजन

साहिबगंज:युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन मेरा युवा भारत साहेबगंज के द्वारा कारगिल विजय दिवस का आयोजन किया गया।कार्यक्रम की शुरूवात बायसी मंदिर के निकट स्थित शहीद सुबोध सिंह के प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ किया गया। सुबोध सिंह चौक से शहीद चौक तक सइकिल रैली का आयोजन किया गया। शहीद चौक पर शहीदों की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया और मेरा युवा भारत के चन्दन कुमार द्वारा बताया गया की कारगिल विजय दिवस स्वतंत्र भारत के सभी देशवासियों के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण दिवस है। इस दिन भारत और पाकिस्तान की सेनाओं के बीच वर्ष 1999 में कारगिल युद्ध हुआ था जो लगभग 60 दिनों तक चला और 26 जुलाई के दिन उसका अंत हुआ और इसमें भारत विजय हुआ।कारगिल विजय दिवस युद्ध में शहीद हुए भारतीय जवानों के सम्मान हेतु यह दिवस मनाया जाता है।

ओवरलोडिंग पर नकेल एमवीआई ने दो हाईवा पकड़े एक पर लगा जुर्माना

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना क्षेत्र के मोहनपुर एनएच पर मोटर वाहन निरीक्षक एमवीआई विनोद सिंह ने ओवरलोडिंग के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। उन्होंने दो हाईवा को जब्त कर राधानगर थाना को सौंप दिया। मिली जानकारी के अनुसार ये दोनों हाईवा बरहरवा की ओर से उधवा चौक की तरफ आ रहे थे। मोहनपुर के पास एमवीआई विनोद सिंह ने उन्हें रोका और आवश्यक कागजात दिखाने को कहा। हालांकि, दोनों चालकों द्वारा तत्काल कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके, जिसके कारण वाहनों को जब्त कर राधानगर थाना को सुपुर्द कर दिया गया। सूत्रों के मुताबिक कुछ ही देर बाद एक हाईवा पर भारी जुमार्ना लगाकर उसे छोड़ दिया गया, जबकि दूसरे हाईवा को अभी भी थाना परिसर में सुरक्षित रखा गया है।

राजद में सुनील साहू को मिला उचित सम्मान : कैयुम

साहिबगंज : पिछड़ी जाति के जुझारू नेता सुनील साहू को राष्ट्रीय जनता दल का अति पिछड़ा जाति मोर्चा का झारखंड प्रदेश अध्यक्ष बनाकर जुझारू नेता को उचित सम्मान दिया गया है। साहिबगंज के राजद कार्यकर्ता मोहम्मद कैयुम अकरम ने बताया कि सुनील साहू अपने हजारों समर्थकों के साथ राजद प्रदेश कार्यालय में राजद का दामन थामा है।सुनील साहू को झारखंड प्रदेश राजद अध्यक्ष संजय कुमार सिंह यादव ने एक सम्मानजनक दायित्व दिया है जिससे आने वाले समय में झारखंड राजद का संगठन और मजबूत होगा।साहिबगंज जिला के दर्जनों राजद कार्यकताओं ने सुनील साहु को नइ जिम्मेदारी मिलने पर सुनील साहू को बधाई दी।

पर्यावरण के प्रति संवेदनशील रासायनिक प्रक्रियाओं को विकसित करने में किया जा सकता है : डॉ.अनिल

विद्यार्थियों ने भी साझा किया अपना शोध कार्य

संवाददाता

साहिबगंज : शहर के साहिबगंज महाविद्यालय के रसायन शास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ.अनिल कुमार ने दरभंगा स्थित ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस ऑन इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टीज एंड केमिकल साइंस 2025 में अपने शोध पत्र का प्रभावशाली प्रस्तुतीकरण किया।डॉ.कुमार के शोध पत्र का विषय था हरित व सतत रसायन विज्ञान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का स्थानःअनुप्रयोग, लाभ,हानियाँ एवं भविष्य की प्रवृत्तियाँ सम्मेलन में देश-विदेश के विभिन्न शिक्षाविदों,प्रोफेसरों और शोधकताओं ने भाग लिया और अपने-अपने शोध कार्यों को प्रस्तुत किया।डॉ.कुमार के शोध पत्र

को विशेषज्ञों और छात्रों की ओर से विशेष सराहना प्राप्त हुई।कार्यक्रम में उपस्थित स्नातक स्नातकोत्तर स्तर के छात्रों ने डॉ.कुमार के शोध को न केवल गहराई से समझा बल्कि उसमें भविष्य की संभावनाओं को भी पहचाना।कई विद्यार्थियों ने इस दिशा में शोध करने की रुचि भी जताई।सम्मेलन के दौरान पीजी सेमेस्टर 4 के विद्यार्थियों ने भी अपने शोध कार्य साझा किए जिनमें साइल एंड वाटर एनालिसिस विषयक डिजर्टेशन प्रमुख रहा।इस मौके पर विद्यार्थियों द्वारा स्थानीय पर्यावरण संदर्भ में की गई शोध प्रस्तुतियाँ भी सराही गईं।कार्यक्रम में ऐश्वर्या प्रकाश,देवव्रत कुमार,पीएचडी स्कॉलर राहुल मिर्दा एवं निरंजन मिश्रा की उपस्थिति भी उल्लेखनीय रही।डॉ.कुमार की यह प्रस्तुति न केवल रसायन विज्ञान में तकनीकी उन्नति की मिसाल है।बल्कि यह भी दशार्ती है कि किस प्रकार कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग पर्यावरण के प्रति संवेदनशील रासायनिक प्रक्रियाओं को विकसित करने में किया जा सकता है।इस उपलब्धि से न केवल साहिबगंज महाविद्यालय को गौरव प्राप्त हुआ है, बल्कि यह विद्यार्थियों के लिए भी एक प्रेरणास्रोत बनी है।

डीसी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया निरीक्षण

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक निसात आलम के निर्देश पर साहिबगंज उपायुक्त हेमंत सती ने बरहरवा प्रखंड के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का सघन दौरा किया।निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने नक्सीमल,चांदघाट, बिनोदपुर समेत कई गांवों का जायजा लिया और वहां के हालात की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को त्वरित राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया।हाल ही में गंगा नदी के जलस्तर में हुई वृद्धि और लगातार भारी बारिश के चलते इन इलाकों में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है।विधायक निसात आलम ने इस गंभीर परिस्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की थी।जिसके आलोक में यह दौरा संपन्न हुआ।दौरे के दौरान उपायुक्त ने स्थानीय ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और हरसंभव सहायता देने का

आश्वासन दिया।उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बाढ़ पीड़ितों के लिए तत्काल व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।साथ ही जल निकासी की व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए भी आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए।प्रशासन की ओर से बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन करने हेतु एक विशेष टीम का गठन किया गया है,जिससे प्रभावित परिवारों को समय पर उचित मुआवजा मिल सके।उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार और जिला प्रशासन इस आपदा की घड़ी में आमजन के साथ खड़े हैं और हरसंभव सहायता दी जाएगी।मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी सन्नी कु.दास,अंचल अधिकारी रामजी वर्मा,विधायक प्रतिनिधि बरकत खान,प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष अशोक कुमार दास,कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष रंजित टुडू,जिला सोशल मीडिया चेयरमैन नेहाल अख्तर सहित कई स्थानीय ग्रामीण एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।इस पहल को लेकर स्थानीय लोगों ने विधायक निसात आलम के प्रति आभार जताया और कहा कि उनके प्रयासों से प्रशासन की सक्रियता बढ़ी है और राहत कार्यों में गति आई है।

शादी समारोह में झड़प, निकाह टूटा दोनों पक्षों ने कराई शिकायत

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना क्षेत्र के दक्षिण पलाशगाछी में शुक्रवार को एक शादी समारोह में दूल्हे के लिबास को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई। इस घटना के बाद उसी दिन निकाह भी टूट गया और मामला पुलिस तक जा पहुंचा है।जानकारी के मुताबिक उत्तर पलाशगाछी के नकीरटोला के एक युवक की शादी दक्षिण पलाशगाछी की एक युवती के साथ तय हुई थी। शुक्रवार को निकाह की रस्में पूरी हो चुकी थीं। लेकिन जब लड़की की विदाई का समय आया, तो लड़का पक्ष ने दूल्हे को दिए गए लिबास की गुणवत्ता पर सवाल उठा दिया।आरोप था कि घटिया किस्म का ड्रेस दिया गया है। इसी बात पर दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई।मारपीट के बाद उसी दिन देर शाम बुलाई गई पंचायती में कथित रूप से निकाह को तोड़ दिया गया और लड़की पक्ष ने खुला तलाक कर दिया। इस घटना के तुरंत बाद लड़का पक्ष ने देर रात राधानगर थाना में आवेदन देकर लड़की पक्ष पर मारपीट कराने का आरोप लगाया। शनिवार को जब लड़की पक्ष भी अपनी शिकायत दर्ज कराने के बाद राधानगर थाना से घर लौट रहा था।तो आरोप है। कि लड़का पक्ष के लोगों ने थाना के पास दरगाडंगा बहियार में लड़की पक्ष के एक रिश्तेदार के साथ मारपीट की और दो व्यक्तियों को बंधक बनाकर नकीरटोला ले गए। इस पूरे घटनाक्रम पर राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने बताया कि पुलिस को दोनों पक्षों से आवेदन प्राप्त हुए हैं। पुलिस इन आवेदनों की गहनता से छानबीन कर रही है। छानबीन पूरी होने के बाद ही आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जर्जर सड़क की होगी मरम्मति

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : पथ निर्माण विभाग की ओर बरहरवा प्रखंड क्षेत्र के कोटालपोखर बाजार के गनी चौक से रेलवे फाटक तक स्थित जर्जर सड़क की मरम्मति किया जाएगा जिसे लेकर विभाग ने टेंडर निकला है 10 लाख रुपए की लागत से यह कार्य संपन्न होगा टेंडर की प्रक्रिया पूरी होने के बाद 2 महीने में यह सड़क की मरम्मत्ति कार्य पूरा करने का निर्देश विभाग की ओर से जारी किया गया है मामले को लेकर पाकुड विधानसभा क्षेत्र की विधायक निसात आलम ने कहा कि क्षेत्र भ्रमण एवं स्थानीय ग्रामीणों ने सूचना दिया था कि कोटालपोखर गनी चौक से रेल फाटक की सड़क काफी जर्जर हो

गया है जिसके बाद उन्होंने पथ निर्माण विभाग के अधिकारियों से वार्ता किया विभाग के अधिकारियों ने स्थल निरीक्षण करने के बाद उक्त सड़क का मरम्मति को लेकर टेंडर निकला है टेंडर की प्रक्रिया पूरी करने के बाद दो माह में पूर्ण किया जाएगा वही पथ निर्माण विभाग की ओर से बरहरवा प्रखंड क्षेत्र के मोगलपाड़ा से फरीदपुर पश्चिम बंगाल सीमा तक भी मरम्मति का टेंडर निकाला गया है यह कार्य 25 लाख रुपए की लागत से किया जाएगा इधर दोनों सड़क की मरम्मति की टेंडर निकालने के बाद स्थानीय ग्रामीण ने विधायक निसात आलम,पूर्व मंत्री आलमगीर आलम व झारखंड कांग्रेस प्रदेश महासचिव तनवीर आलम को बधाई दिया है।

नया ट्रांसफार्मर के लगने से जोजो टोला हुई रोशनी से जगमग

संवाददाता

साहिबगंज/बरहेट : प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत सनमनी पंचायत में ग्राम सनमनी जोजो टोला के जनता पिछले पंद्रह दिनों से ट्रांसफार्मर के जल जाने से अंधकारमय जीवन जी रहे रहे थे।बरसात के कारण अनेकों प्रकार के कठिनाइयों का सामना कर रहे थे।बच्चों की पढ़ाई,जहरीले सांप,कृषि कार्य और अनेकों प्रकार के समस्या थे।विभाग को सूचित करने के बावजूद भी उनको बिजली की ट्रांसफार्मर उपलब्ध नहीं हो पाई ग्रामीणों ने काफी प्रयास के बाद आवेदन लेकर झामुमो के ज़िला प्रवक्ता राजाराम मरांडी,प्रखंड अध्यक्ष बर्नार्ड मरांडी प्रखंड सचिव मुजिबुर रहमान को इस समस्या से अवगत कराया।वही नेता ने तुरंत संज्ञान लेते हुए झामुमो केंद्रीय सचिव सह प्रवक्ता पंकज मिश्रा को इसकी जानकारी दी।उन्होंने तत्काल समस्या को देखते हुए विभाग के अधिकारीयों से समन्वय स्थापित कर सनमनी जोजो टोला ग्राम के लिए 25 केविए का बिजली ट्रांसफार्मर की व्यवस्था उपलब्ध कराया व आज ट्रांसफार्मर लग गया। जिसे विधिवत रूप से फीता काटकर नारियल फोड़ कर उसका उद्घाटन झामुमो पंचायत अध्यक्ष कुबराज हेंब्रम,सचिव जोन टुडू व ग्रामीणों ने मिलकर किया ।जिससे पूरे गांव में खुशी का माहौल बन गया।ग्रामीणों ने क्षेत्रीय विधायक सह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का आभार व्यक्त पर पंकज मिश्रा को धन्यवाद दिया।मौके पर झामुमो प्रखंड मिडिया सदस्य अरशद अंसारी,बाबुधन टुडू,बुधराई किस्कू,चंदन मुर्मू, शिव बास्की, अली मोहम्मद अंसारी,संजय ठाकुर सहित अन्य मौजूद थे।

खेत से प्राप्त काली मां की शिलाखंड के समीप उपायुक्त ने नवाया शीष

यह एक दुर्लभ और ऐतिहासिक धरोहर है: उपायुक्त

जल्द ही कमालपुर पहुंचेंगे पुरातत्व विभाग की टीम करेंगे सर्वेक्षण

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : प्रखंड क्षेत्र के कालू पंचायत अंतर्गत कमलपुर में शुक्रवार को खेत में काम करने के दौरान मिली मां काली की शिलखंड के समक्ष शनिवार को उपयुक्त हेमंत सती ने शीश नवाकर प्रणाम किया है।साथ ही साथ प्राप्त शिलखंड का अवलोकन करते हुए उन्होंने बताया कि यह मूर्ति अत्यंत ऐतिहासिक प्रतीत हो रही है।इसके कलात्मक स्वरूप और शिल्प शैली को देखते हुए इसके ऐतिहासिक मूल्य की पुष्टि जरूरी है। उन्होंने सुझाव दिया कि मूर्ति को भारतीय पुरातत्व विभाग को सौंपा जाए ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह प्रतिमा कितनी पुरानी है,इसका निर्माण किस कालखंड में हुआ था। और यह किस शैली की मूर्तिकला का उदाहरण है।वही

ग्रामीणों ने मूर्ति को गांव से बाहर भेजने से साफ इनकार कर दिया। भावुक ग्रामीणों ने कहा हम लोग मां काली की मूर्ति को गांव से बाहर नहीं जाने देंगे।यह प्रतिमा हमारे खेत से प्रकट हुई है,यह हमारे लिए देवी का वरदान है। हम इसकी सेवा और पूजा यहीं गांव में करेंगे।इसके पश्चात उपायुक्त हेमंत सती ने खेत में उस स्थान का भी निरीक्षण किया,जहां खुदाई के दौरान प्रतिमा मिली थी।निरीक्षण के बाद उन्होंने बताया कि इस विषय में पुरातत्व विभाग से संपर्क किया गया है और विभाग को इसकी पूरी जानकारी दे दी गई है।डीसी ने कहा पुरातत्व विभाग के अनुसार यह मूर्ति लगभग दसवीं शताब्दी की हो सकती है।इस प्रकार की मूर्तिकला पाल वंश के शासनकाल में देखने को मिलती थी।यह एक दुर्लभ और ऐतिहासिक धरोहर है। पुरातत्व विभाग की टीम जल्द ही गांव आकर प्रतिमा और स्थल का गहन अध्ययन करेगी।बता दें कि गांव में प्रतिमा मिलने के उपरांत गांव वाले में श्रद्धा का सैलाब उमड पड़ा है और शुक्रवार से ही कमालपुर के आसपास स्थित बेलडांगा,कन्हाई डांगा,कालू,देबू, बसंतपुर,राधा नगर,जामपुर,करेला,बिंदु पाड़ा नीमशहर,महाराजपुर सहित दर्जनों गांव के ग्रामीण पहुंचकर पूजा अर्चना में जुटे हुए हैं।वहीं ग्रामीण नयन रजवार के घर में मनसा स्थान के बगल में तत्काल मां काली के शिलखंड को स्थापित कर दिया है।मौके पर बीडीओ सनी कुमार दास,अंचल अधिकारी रामजी वर्मा सहित पदाधिकारी जन प्रतिनिधि गण व अन्य मौजूद रहे।

शादी को लेकर समाज की सोच बदल रही, अब पहले जैसा दबाव नहीं

अभिनेत्री फातिमा सना शेख ने समाज में महिलाओं और शादी को लेकर बदलते नजरिए पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि 30 साल की उम्र के बाद भी शादी न करने वाली महिलाओं को लेकर समाज में अभी कुछ हद तक पुरानी सोच बनी हुई है, लेकिन अब पहले जैसा दबाव नहीं रहा। फातिमा ने बताया कि लोग अब व्यक्तिगत पसंद और रिश्तों में बदलाव को ज्यादा स्वीकार करने लगे हैं। दंगल अभिनेत्री ने कहा कि पहले एक निश्चित उम्र तक शादी करने का दबाव ज्यादा था, लेकिन अब समय बदल रहा है और रिश्तों का मतलब भी बदल गया है। आजकल लोग खुद पर और अपने करियर पर ध्यान देना पसंद कर रहे हैं या अकेले रहने का फैसला कर रहे हैं। समाज धीरे-धीरे इसे स्वीकार करना सीख रहा है। अभिनेत्री ने कहा कि अब रिश्तों का मतलब बदल गया है। कई लोग अकेले रहने में सहज हैं या दूसरी चीजों पर ध्यान दे रहे हैं। समाज इसे स्वीकार कर रहा है। मुझे नहीं पता कि यह सही है या गलत, लेकिन अब इस पर पहले जैसी पाबंदी नहीं रही। फातिमा सना शेख ने अपने पहले प्यार की याद भी साझा की। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी किताबों में फूल रखे या ऐसे रोमांटिक पल जिए, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, हां, बिल्कुल। उन्होंने बताया कि उनके तत्कालीन पार्टनर ने उनके जन्मदिन पर एक खास सरप्राइज प्लान किया था, जिसमें दरवाजे से कमरे तक का रास्ता फूलों से सजाया गया था। उन्होंने कहा कि चारों तरफ फूल थे और केक के आसपास मोमबत्तियां जली हुई थीं। लेकिन, यह सरप्राइज पूरी तरह वैसा नहीं रहा जैसा सोचा गया था, क्योंकि जब तक वह वहां पहुंची, ज्यादातर मोमबत्तियां पिघल चुकी थीं। हंसते हुए उन्होंने कहा कि हमें बाद में सब साफ करना पड़ा। उस पल को याद करते हुए फातिमा ने कहा कि यह एक खास और सच्चा प्यार था। उन्होंने यह भी बताया कि उस समय वह बहुत छोटी थीं और तब उनके पास फेसबुक या इंस्टाग्राम भी नहीं था। करियर की बात करें तो, फातिमा हाल ही में आर माधवन के साथ रोमांटिक कॉमेडी आप जैसा कोई में नजर आईं। विवेक सोनी के निर्देशन से सजी यह फिल्म 11 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी।

....आखिर क्यों जरीन ने ठुकरा दिया सलमान खान का शो 'बिग बॉस'

अभिनेता सलमान खान के साथ बॉलीवुड में करियर की शुरू करने वाली एक्ट्रेस जरीन खान ने हाल ही में बिग बॉस शो को लेकर अपनी राय दी है। इसक अलावा उन्होंने बताया कि आखिर क्यों उन्होंने इस शो में शामिल होने के ऑफर को ठुकरा दिया था। चलिए जानते हैं एक्ट्रेस जरीन खान ने क्या बताया।

'बिग बॉस' को लेकर जरीन खान की क्या है राय?

अभिनेत्री जरीन खान हिंदी रश के साथ एक इंटरव्यू में शामिल हुईं। वहां उन्होंने बिग बॉस के बारे में कहा, 'मुझे वो शो बहुत पसंद है। बीच में मैंने शायद सिर्फ दो-तीन सीजन ही मिस किए हों, लेकिन मैं उसे देखती हूं।' आगे उन्होंने शो को ठुकराने को लेकर बताया, 'सबसे पहले तो मेरे ऊपर बहुत सारी जिम्मेदारियां हैं, इसलिए मैं खुद को तीन महीने के लिए कहीं अलग करके रहने के बारे में सोच भी नहीं सकती। मुझे नहीं लगता कि मेरा घर मेरे बिना चल पाएगा, मैं आर्थिक रूप से बात नहीं कर रही हूं। मुझे 10 हजार चीजों का ध्यान रखना पड़ता है। अगर मैं एक दिन के लिए भी बाहर जाती हूं, तो मैं अपनी मां को पांच-सात बार फोन करके उनकी सेहत और दूसरी चीजों के बारे में पूछती हूं। तो, यही सबसे पहला फैक्टर है।'

मेरा हाथ उठ जाएगा

आगे बातचीत के दौरान जरीन खान ने कहा, 'दूसरी बात, मुझे नहीं लगता कि मैं इतने सारे लोगों के साथ एक घर में रह सकती हूं जिन्हें मैं नहीं जानती। मैं दोस्त बनाने में समय नहीं लगाती, लेकिन मुझे नहीं पता कि मैं कितनी सहज रहूंगी। इसके अलावा, एक बड़ा कारण यह है कि बेकार बात मुझे बर्दाश्त नहीं होती। मैं दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं कर पाऊंगी। मेरा हाथ उठ जाएगा, फिर मुझे बाहर ही फेंक देंगे। इसलिए, बेहतर है कि मैं न जाऊं। मैं जानती हूं कि मेरा हाथ उठ जाएगा।'

एक नजर जरीन खान के करियर पर

अभिनेत्री जरीन खान ने साल 2010 में बॉलीवुड में कदम रखा था। उनकी पहली फिल्म का नाम था वीर, जिसमें वो अभिनेता सलमान खान के साथ नजर आई थीं। हालांकि, यह फिल्म उम्मीदों के मुताबिक नहीं चली। इसके अलावा उन्होंने 'रेडी', 'अक्सर 2', 'हेट स्टोरी 3' और 'हाउसफुल 2' जैसी फिल्मों में भी काम किया है। अभिनेत्री इस समय कुछ रिजनल फिल्मों में काम कर रही हैं। उन्होंने 'डाका' और 'जट्ट जेम्स बॉन्ड' सहित कुछ पंजाबी फिल्मों में काम किया है।

शॉर्ट फिल्म व्यर्थ के साथ दर्शकों का दिल जीतने को तैयार हैं कुशा कपिला

इंटरनेट सेंसेशन कुशा कपिला अपनी नई शॉर्ट फिल्म व्यर्थ के साथ दर्शकों का दिल जीतने को तैयार हैं। फिल्म का ट्रेलर रिलीज़ हो चुका है और इसने दर्शकों में उत्सुकता बढ़ा दी है। फिल्म 19 जुलाई को रिलीज़ होने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह प्रोजेक्ट उनके अभिनय करियर में एक महत्वपूर्ण कदम है और साथ ही उन्होंने इसमें को-प्रोड्यूसर की भूमिका भी निभाई है। कॉमेडी की दुनिया से पहचान बना चुकी कुशा इस बार एक बिल्कुल अलग अंदाज़ में नज़र आएँगी। व्यर्थ उनके लिए एक भावनात्मक और रचनात्मक स्तर पर एक नई दिशा है, जो उन्हें एक सशक्त कहानी कहने का अवसर देता है। व्यर्थ की कहानी भूमि नाम की एक एक्ट्रेस के इर्द-गिर्द घूमती है, जो बार-बार टाइपकास्ट की जा रही है। जब उसे माँ की भूमिका का प्रस्ताव मिलता है, तो उसकी उम्मीदें टूट जाती हैं। लेकिन कहानी में ट्विस्ट तब आता है, जब उसकी यंग रूममेट मीनाक्षी उसी रोल के लिए उसकी मदद माँगती है। ट्रेलर में इस कहानी की जटिलता, महत्वाकांक्षा और संघर्ष की झलक मिलती है, जिसमें ट्रैजिक एलिमेंट्स के साथ-साथ ह्यूमर भी है। कुशा कहती हैं, जब मुझे व्यर्थ की स्क्रिप्ट मिली, जो कि सिर्फ 17 पन्नों की थी, तो मुझे उसी समय महसूस हुआ कि यह कहानी मेरे भीतर गहराई से गूँज रही है। यह सिर्फ एक किरदार नहीं था, जिसे मैं निभाना चाहती थी, बल्कि एक कहानी थी, जिसे मुझे जरूर दुनिया के सामने लाना था। इसकी थीम में कुछ बेहद सार्वभौमिक है और मुझे पूरा विश्वास है कि दर्शक खुद को या अपने किसी करीबी को इसमें जरूर पहचानेंगे। व्यर्थ इंडस्ट्री के कई पहलुओं को छूती है। यह फिल्म इंडिपेंडेंट फिल्ममेकर्स की जद्दोजहद, कास्टिंग डायरेक्टर्स का संघर्ष और उन एक्टर्स की सच्चाई को बखूबी पेश करती है, जो बार-बार कोशिश करने के बावजूद नाकाम हो जाते हैं।

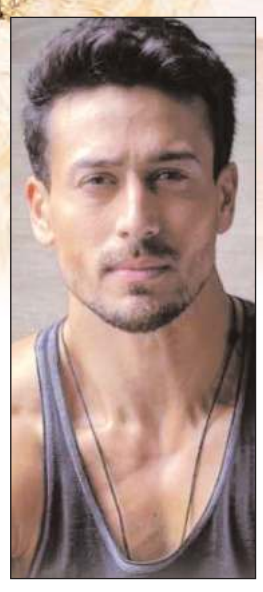

टाइगर श्रॉफ ने बागी 4 को लेकर दी अहम जानकारी

टाइगर श्रॉफ इन दिनों अपनी आगामी फिल्म बागी 4 को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। आज टाइगर ने फिल्म बागी 4 को लेकर एक अहम जानकारी सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर की है। टाइगर श्रॉफ ने अपना बेहद ही खूंखार लुक शेयर किया और कैप्शन में लिखा, प्रिय आर्मी, आप सभी को इंतजार कराने के लिए मुझे बहुत अफसोस है। मैं हर रोज आपके संदेश और पोस्ट देख रहा हूं और यकीन मानिए, मैं इसे जल्द से जल्द आपके साथ साझा करने के लिए बहुत उत्सुक हूं! मैं वादा करता हूं कि यह इंतजार के लायक है! मैं आपको जल्द ही पहले प्रोमो पर एक आधिकारिक अपडेट दूंगा। बहुत-बहुत धन्यवाद। लगभग समय आ गया है। टाइगर की इस पोस्ट पर आयशा श्रॉफ ने लाल दिल वाले इमोजी बनाए हैं। वहीं एक्ट्रेस शीबा आकाशदीप साबिर ने फायर और स्माइली इमोजी बनाए हैं। विजय ठक्कर ने लिखा, बड़ी घोषणा का इंतजार नहीं कर सकता। सेलेब्स के अलावा कई फैंस ने भी टाइगर की इस पोस्ट पर जमकर कमेंट किए हैं।

सेल्फकेयर सिर्फ ग्लैमर नहीं, एक तरह का अनुशासन है

बॉलीवुड अभिनेत्री रकुल प्रीत अपनी फिल्मों और खूबसूरती के लिए जानी जाती हैं। वह पॉजीटिव सोच और हेल्दी लाइफस्टाइल के लिए भी चर्चाओं में बनी रहती हैं। उन्होंने बुधवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए योग के महत्व पर प्रकाश डाला। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करके बताया कि कैसे योग उन्हें भावनात्मक, मानसिक और शारीरिक रूप से संतुलित रखने में मदद करता है। उन्होंने सेल्फकेयर का सही मतलब भी समझाया और इस बात पर जोर दिया कि यह हमेशा ग्लैमरस नहीं होता, यह एक तरह का अनुशासन है, जिसमें थोड़ी सी सहजता भी शामिल है। रकुल ने इंस्टाग्राम पर दो तस्वीरें साझा कीं, जिनमें वह हेड स्टैंड करती नजर आ रही हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, हम अक्सर सेल्फ-लव और सेल्फ-केयर जैसे शब्द सुनते हैं, लेकिन इनका असली मतलब क्या है? सेल्फ-केयर हमेशा ग्लैमरस नहीं होता, बल्कि यह एक तरह का अनुशासन है।

आखिर क्यों धड़क 2 का हिस्सा बनना चाहते थे सिद्धांत चतुर्वेदी? एक्टर ने किया खुलासा

अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी ने बताया कि यह जानने के बाद भी कि धड़क2 की तुलना धड़क से की जाएगी उन्होंने फिल्म में काम करने का फैसला लिया। एक्टर ने ऐसा क्यों किया इसकी खास वजह भी बताई है! सिद्धांत चतुर्वेदी ने कहा, मुझे इस फिल्म पर गर्व है। जैसे ही मैंने इसकी कहानी सुनी, मुझे तुरंत एहसास हुआ कि मुझे इस फिल्म का हिस्सा बनना चाहिए। मुझे ज्यादा सोचने की जरूरत ही नहीं पड़ी, ये कहानी मेरे लिए बहुत मायने रखती है, और जब हमने इस पर काम शुरू किया, तो सब कुछ बहुत अच्छे से और आसानी से होता चला गया। यह फिल्म मेरे दिल के बहुत करीब है, और मुझे लगता है कि यह कहानी लोगों तक पहुंचनी चाहिए। सिद्धांत ने फिल्म की डायरेक्टर और टीम के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, हमारी डायरेक्टर शाजिया इकबाल कमाल की इंसान हैं। पूरी कास्ट और टीम शानदार है। ये अनुभव मेरे लिए बहुत खास रहा। मुझे सच में लगता है कि जब ये फिल्म रिलीज होगी, तो दर्शक भी इससे वैसे ही जुड़ाव महसूस करेंगे जैसे मैंने किया। तृप्ति डिमरी के साथ ऑफ-स्क्रीन बॉन्ड के बारे में सिद्धांत ने कहा, हमने बहुत मजे किए। हम अच्छे दोस्त हैं और एक-दूसरे से बिना झिझक कुछ भी कह देते हैं। ये रवैया ही पर्दे पर हमें ईमानदारी से किरदार निभाने की सहूलियत देता है। कई बार तो ऐसा लगा जैसे मैं उसका स्कूल में चिढ़ाने वाला कोई पुराना दोस्त हूं! उन्होंने आगे कहा, जब कैमरा चालू होता था, हम पूरी तरह अपने किरदार में आ जाते थे। हमारी डायरेक्टर हमें जमीन से जोड़े रखती थीं। हम मस्ती तो करते थे, लेकिन हमें पता था कि कब सीरियस होना है, क्योंकि फिल्म की कहानी संवेदनाओं से भरी हुई और गंभीर है। जब मुझे कोई इमोशनल सीन करना होता था, तो डायरेक्टर माहौल को हल्का बना देती थीं। इस तरह हम सभी चीजों को बैलेंस करते हुए आगे बढ़े।

पंजाब एफसी ने 134वें डूरंड कप के लिए की 25 सदस्यीय टीम की घोषणा

मोहाली : पंजाब एफसी ने 134वें डूरंड कप के लिए अपनी 25 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट देश के विभिन्न शहरों में खेला जा रहा है। पंजाब एफसी को ग्रुप 'डी' में रखा गया है और टीम अपने सभी ग्रुप मैच असम के कोकराझार स्थित एसएआई स्टेडियम में खेलेगी। टीम के मुख्य कोच पनागियोटिस डिल्मपेरिस ने एशिया के सबसे पुराने फुटबॉल टूर्नामेंट के लिए पूरी तरह भारतीय खिलाड़ियों से बनी युवा टीम का चयन किया है। टीम की घोषणा पर मुख्य कोच डिल्मपेरिस ने कहा, ह्लहमने एक युवा और ऊजार्वान टीम का चयन किया है, जिसमें अधिकांश खिलाड़ी पिछले सीजन से बनाए रखे गए हैं। इसके अलावा हमने कई अकादमी खिलाड़ियों को भी टीम में शामिल किया है, जिन्होंने रिजर्व और जूनियर स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन किया है। मेरा मानना है कि हमारे पास एक संतुलित टीम है जो टूर्नामेंट में आगे तक जाने की क्षमता रखती है और हम नए सीजन की

सकारात्मक शुरूआत की उम्मीद कर रहे हैं। टीम में मुहम्मद उवैस और बिजॉय वर्गीज जैसे नए साइनिंग्स के साथ राकेश मैतेई भी शामिल हैं, जिनका लोन पीरियड केरला ब्लास्टर्स से एक और सीजन के लिए बढ़ाया गया है। रंजीत पांडे भी टीम में लौटे हैं, जो पिछला सीजन गोकुलम केरल एफसी (आई-लीग) में लोन पर बिताकर आए हैं। डिल्मपेरिस ने कुल 11 अकादमी खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया है, जिनमें आयुष देशवाल, परमवीर सिंह, मैंगलेंथांग किपगेन, सिंगामायुम शामी, मुहम्मद सुहैल, ओमांग डोडुम, विशाल यादव और लाइश्राम ऋषिकांत मैतेई शामिल हैं। ये सभी पिछले सीजन में पदार्पण कर चुके हैं। पंजाब एफसी के तकनीकी निदेशक निकोलाओस टोपोलिआतिस ने कहा, ह्लइतने अधिक अकादमी खिलाड़ियों को शामिल करना हमारे उस विजन का हिस्सा है, जिसमें हम क्लब के साथ आगे बढ़ने वाले युवाओं की एक मजबूत नींव बनाना चाहते हैं। मुझे विश्वास है कि यह टीम पिछले सीजन से बेहतर प्रदर्शन कर सकती है और मैं सभी खिलाड़ियों को सीजन की शानदार शुरूआत के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

पंजाब एफसी की टीमः

गोलकीपरः आयुष देशवाल, मुहीत शब्बीर, रविकुमार

डिफेंडरः बिजॉय वर्गीज, खैमिंगथांग लुंगदिम, मानव सिंह, मुहम्मद उवैस, नोंगमैकपम सुरेश मैतेई, परमवीर सिंह, लिकमाबाम राकेश मैतेई, उशम थौंगम्बा सिंह

मिडफील्डरः लियोन ऑगस्टीन, मैंगलेंथांग किपगेन, निखिल प्रभु, प्रिंसटन रेबेलो, रिक्की शाबोंग, लाइश्राम ऋषिकांत मैतेई, सिंगामायुम शामी, विनीत राय

फॉरवर्डः मुहम्मद सुहैल एफ, निन्थोइंगानबा मितेई, ओमांग डोडुम, कोंसम सनातोई सिंह, विशाल यादव, रंजीत सिंह पांडे

पंजाब एफसी अपना डूरंड कप अभियान 3 अगस्त को कार्बी अंग्लोंग मॉर्निंग स्टार एफसी के खिलाफ शुरू करेगा। इसके बाद टीम 6 अगस्त को इंडो-तिब्बतन बॉर्डर पुलिस एफटी और 9 अगस्त को बोडोलैंड एफसी के खिलाफ मुकाबले खेलेगी।

रायगढ़ स्टेडियम में अस्मिता सिटी लीग प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

रायगढ़ : संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण विभाग छत्तीसगढ़ रायपुर के निदेर्शानुसार जिले में संचालित खेलों इंडिया लघु केन्द्र रायगढ़ स्टेडियम बोईरदादर रायगढ़ में आज अस्मिता सिटी लीग का आयोजन किया गया। खेलो इंडिया योजना के तहत अस्मिता सिटी लीग की शुरूआत की गई है। इस योजना का उद्देश्य बालिकाओं को प्रेरित करना और उभरती हुई प्रतिभाओं को बढ़ावा देना है। अस्मिता सिटी लीग में खेलो इंडिया लघु केन्द्र (बैडमिंटन) रायगढ़ के बालिका खिलाड़ी एवं विभिन्न स्कूलों के बालिका खिलाड़ियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। उक्त सिटी लीग में बैडमिंटन के डबल्स प्रतियोगिता में रिंकी पटेल तथा काशिका ने प्रथम स्थान एवं सिमरन तथा अनुष्का ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया तथा बैडमिंटन एकल प्रतियोगिता में रिंकी पटेल ने प्रथम स्थान तथा सिमरन ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। उक्त कार्यक्रम में श्रीमती श्रेयम चन्द्रा व्यायाम शिक्षक शा.कन्या.उ.मा.विद्या रायगढ़, जितेश्वर प्रधान व्यायाम शिक्षक, दिलीप सिंह वरिष्ठ प्रशिक्षक एवं धरणीधर यादव व्यायाम शिक्षक शा.उ.मा.वि. चक्रधर नगर स्कूल रायगढ़ उपस्थित रहे।

टैलीग्राम पर युवती से दोस्ती के बाद शेयर मार्केट में 33 लाख का निवेश, फिर साइबर ठगी का शिकार

एजेंसी

शिमला : हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले के एक व्यक्ति के साथ ऑनलाइन ठगी का बड़ा मामला सामने आया है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म टैलीग्राम पर एक युवती से हुई दोस्ती इस व्यक्ति को महंगी पड़ गई। युवती ने उसे शेयर मार्किट में निवेश के लिए प्रेरित किया। इसके बाद व्यक्ति ने करीब 33 लाख रुपये हैनटैक मार्किट नाम की एक ऑनलाइन स्कीम में लगा दिए। अब व्यक्ति को शक हुआ कि उसके साथ बड़ा धोखाधड़ी हो गई है। इस पर उसने साइबर सैल के डाटा सैंटर 1930 पर कॉल कर शिकायत दर्ज करवाई है। मामले की जानकारी देते हुए साइबर सैल के एसपी दिनेश शर्मा ने बताया कि जैसे ही

शिकायत प्राप्त हुई, उसे तुरंत एनसीआरपी पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया। इसके बाद इस मामले की पूरी रिपोर्ट साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन, सेंट्रल रेंज मंडी को आगे की जांच के लिए भेज दी गई है। इसके साथ ही ठगी गई राशि को होल्ड करने के लिए हरसंभव प्रयास शुरू कर दिए गए हैं। शिकायतकर्ता के अनुसार टैलीग्राम पर बातचीत के दौरान युवती ने उसे भरोसे में लिया और शेयर मार्किट में निवेश करने के लिए कहा। युवती ने उसे हैनटैक नामक ऑनलाइन प्लेटफार्म का लिंक भेजा और अच्छा रिटर्न मिलने का भरोसा दिलाया। धीरे-धीरे व्यक्ति ने अपने जीवनभर की जमा पूंजी से करीब 33 लाख रुपये इस स्कीम में लगा दिए। लेकिन जब उसे रिटर्न नहीं मिला और न ही रकम वापस आई तो उसे फ्रॉड की आशंका हुई। एसपी दिनेश शर्मा ने लोगों को सचेत किया है कि सोशल मीडिया या मैसेजिंग एप पर किसी अजनबी के कहने पर कभी भी पैसे का लेन-देन न करें और निवेश से जुड़ी किसी भी योजना को अच्छी तरह से परखें। उन्होंने कहा कि साइबर ठग आजकल नई-नई तरकीबें अपना कर लोगों को जाल में फंसा रहे हैं। इसलिए सतर्क रहना और किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक करने या ऐप डाउनलोड करने से बचना जरूरी है। राज्य में बढ़ते साइबर अपराध के मामलों को देखते हुए साइबर सैल लगातार जागरूकता अभियान भी चला रही है। एसपी ने बताया कि अगर किसी के साथ ठगी होती है तो तुरंत 1930 पर कॉल कर या नजदीकी साइबर थाने में शिकायत दर्ज करवा सकते हैं। समय रहते शिकायत मिलने पर साइबर सैल की टीम ठगी की राशि को होल्ड करवाने की पूरी कोशिश करती है। बता दे कि ऑनलाइन दोस्ती और निवेश के नाम पर ठगी के ऐसे मामले देशभर में लगातार बढ़ते जा रहे हैं। खासकर टैलीग्राम और व्हाट्सएप जैसे मैसेजिंग प्लेटफॉर्म के जरिए फर्जी स्कीमें चलाने वाले गिरोह भोले-भाले लोगों को निशाना बना रहे हैं। ऐसे में जागरूक रहना ही सबसे बड़ा बचाव है।

अन्नपूर्णा भवन का विरोध करने वाले 40 लोगों का शांति भंग में चालान

एजेंसी

अमेठी : अमेठी जिले के बाजार शुकुल थाना क्षेत्र अंतर्गत शेखपुर भंड़रा ग्राम पंचायत में सरकारी राशन की दुकान अन्नपूर्णा भवन को बनाने के लिए चयन किए गए स्थान का विरोध करने वाले गांव के ही 40 लोगों का एक साथ पुलिस ने शांति भंग की धाराओं में चालान कर दिया है। बाजार शुकुल थाना क्षेत्र अंतर्गत शेखपुर भंड़रा ग्राम पंचायत में ग्राम प्रधान कैसर जहां ने सरकारी कोटे की राशन की दुकान अन्नपूर्णा भवन बनाने का प्रस्ताव दिया था। जिस पर प्रशासन की राजस्व टीम ने पहुंचकर ग्राम शेखपुर में सरकारी भूमि गाटा संख्या 80 को चिन्हित करते हुए अन्नपूर्णा भवन के निर्माण हेतु विकास विभाग को जिम्मेदारी सौंप दी थी। यहां पर सरकारी राशन की दुकान बीबी फातिमा स्वयं सहायता समूह द्वारा चलाया जाता है। जिसको लेकर ग्राम प्रधान पद के भावी प्रत्याशी मोहम्मद हसीब द्वारा विरोध किया जा रहा था। उनका कहना था कि जहां पर यह अन्नपूर्णा भवन बनाने का प्रस्ताव किया गया है वह सही नहीं है। उसको स्थानांतरित किया जाए। इसके बाद 23 जुलाई को मोहम्मद हसीब ग्राम प्रधान को लेकर जिलाधिकारी कार्यालय भी पहुंचे और जिलाधिकारी से शिकायत करते हुए कहा था कि लाभार्थियों के हित को ध्यान में रखते हुए राशन की दुकान का निर्माण ग्राम भंड़रा में कराया जाए। वहां से लौटने के बाद ग्राम प्रधान कैसर जहां को ग्रामीणों ने घेर लिया। इसके बाद बीते शनिवार को ग्राम प्रधान ने थाना दिवस में शपथ पत्र देते हुए प्रार्थना पत्र दिया। जिसमें तहसीलदार राहुल सिंह के समक्ष ग्राम प्रधान द्वारा अन्नपूर्णा भवन का निर्माण गाटा संख्या 80 में ही करने की बात कही गई। साथ में यह भी बताया गया कि लगभग चार दर्जन लोगों के द्वारा इसका विरोध किया जा रहा है। बाजार शुकुल के थानाध्यक्ष अभिनेष कुमार ने रविवार को बताया कि ग्राम पंचायत शेखपुरा भंड़रा के लगभग 40 लोग असंवैधानिक तरीके से शांति भंग कर रहे थे। ग्राम प्रधान की लिखित तहरीर पर इन सभी 40 लोगों का शांति भंग की धारा में चालान किया गया है।

मध्य प्रदेश के आज 53 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट इंदिरा सागर डैम के 12, ओंकारेश्वर के 9 गेट खुले

- इस मानसूनी सीजन में अब तक 23.7 इंच हो चुकी बारिश

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल सहित प्रदेशभर में बारिश का दौर जारी है। प्रदेश के कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात बने हैं। नर्मदा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। प्रदेश में इस मानसून सीजन में बारिश का सबसे स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। आज रविवार को 53 जिलों में अति भारी और भारी बारिश का रेड, ऑरेंज-यलो अलर्ट जारी किया गया है। मालवा-निमाड़ यानी इंदौर-उज्जैन संभाग के सभी 15 जिलों में रेड और ऑरेंज अलर्ट है। मौसम विभाग का कहना है कि राज्य में अगले चार दिन मूसलाधार वर्षा होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, लो प्रेशर एरिया (कम दबाव का क्षेत्र), दो मानसून ट्रफ

और दो साइक्लोनिक सकुर्लेशन की वजह से मध्य प्रदेश में बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम बना है। जिसका असर अगले 4 दिन और रहेगा यानी जुलाई की विदाई तेज बारिश के साथ होगी। वहीं, अगस्त की शुरूआत में भी बारिश का दौर जारी रहेगा। रविवार को शिवपुरी और अशोकनगर में भारी बारिश को लेकर रेड अलर्ट और नीमच, मंदसौर, रतलाम, उज्जैन, आगर-मालवा, राजगढ़, शाजापुर, देवास, सीहोर, गुना, विदिशा, सागर, दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, श्योपुर, मुरैना, भिंड और दतिया में अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, नर्मदापुरम, रीवा, शहडोल और सागर संभाग के सभी जिलों में तेज बारिश होगी। वहीं, चंबल के दो जिले मुरैना और भिंड में हल्की बारिश होगी। खंडवा में नर्मदा का जलस्तर बढ़ने से रविवार सुबह 4 बजे इंदिरा सागर बांध और सुबह 5.30 बजे ओंकारेश्वर बांध के गेट खोल दिए गए हैं। इंदिरा सागर बांध के 10 गेट आधा मीटर और 2 गेट एक मीटर तक खोले गए। इनसे 3460 क्यूमेक्स पानी छोड़ा जा रहा है। ओंकारेश्वर डैम के 9 गेट खोले गए हैं। यहां से कुल 3510 क्यूमेक्स पानी नर्मदा में छोड़ा जा रहा है। इससे पहले शनिवार को प्रदेश में भारी बारिश का दौर बना रहा। इस वजह से उमरिया के जोहिला डैम, रायसेन में बारना बांध, शिवपुरी के अटल सागर बांध, छतरपुर में बान सुजारा डैम, बैतूल में सतपुड़ा डैम और नर्मदापुरम में तवा डैम के गेट खोल दिए गए। भोपाल में शनिवार रात से ही रुक-रुककर कभी तेज तो कभी रिमझिम बारिश जारी रही। इंदौर में तेज बारिश की वजह से सड़कों पर दो फीट तक पानी भर गया। सीहोर के आष्टा में दुकानों में पानी घुस गया। मध्य प्रदेश में इस मानसूनी सीजन में औसत 23.7 इंच बारिश हो चुकी है।

ममता बनर्जी ने अब्दुल कलाम को दी श्रद्धांजलि, कहा- आज भी प्रेरणा हैं उनके विचार

एजेंसी

कोलकाता : भारत के पूर्व राष्ट्रपति और 'भारत रत्न' डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। रविवार सुबह एक सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने डॉ. कलाम को महान वैज्ञानिक और आदर्श व्यक्ति बताया। मुख्यमंत्री ने लिखा, भारत के पूर्व राष्ट्रपति और 'भारत रत्न' डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को उनकी पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि। वे एक महान वैज्ञानिक और एक आदर्श इंसान थे। उनका जीवन आज भी हम सभी को प्रेरणा देता है। डॉ. कलाम को भारत के 'मिसाइल मैन' के रूप में जाना जाता है। उन्होंने इसरो और डीआरडीओ में अपने कार्यकाल के दौरान भारत के रक्षा कार्यक्रम को नई ऊंचाई दी। वर्ष 2002 से 2007 तक उन्होंने देश के राष्ट्रपति के रूप में सेवा दी और आम लोगों, खासकर युवाओं के बीच एक आदर्श के रूप में स्थापित हुए। पुण्यतिथि के अवसर पर देशभर में उनके योगदान को याद करते हुए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों में विशेष व्याख्यान और संगोष्ठियों के माध्यम से उनके वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सादगीपूर्ण जीवन पर चर्चा हो रही है। डॉ. कलाम का निधन 27 जुलाई 2015 को शिलांग में एक व्याख्यान के दौरान हुआ था। वे जीवन के अंतिम क्षण तक छात्रों को प्रेरित करने में जुटे रहे। उनके विचार और जीवन दर्शन आज भी देश की नई पीढ़ी को आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

शिकायत वापस लेने के लिए महिला के अपहरण और हत्या की धमकी, चार के खिलाफ कार्रवाई की मांग

औरैया : जनपद के अजीतमल कोतवाली क्षेत्र के ग्राम रामनगर निवासी एक महिला ने अपने ही परिवार के चार सदस्यों पर अपहरण का प्रयास करने और हत्या की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता ने कोतवाली में तहरीर देकर नामजद चार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। महिला कमलेश कुमारी का आरोप है कि विवाद की जड़ पुश्तैनी जमीन है, जिस पर उसके परिवारजन जबरन कब्जा करना चाहते हैं। इस मामले में उसने पहले भी तहसील दिवस पर अजीतमल में शिकायत की थी, जिस पर अभी सुनवाई चल रही है। कमलेश का कहना है कि जब परिवार के लोगों को इस बात की जानकारी हुई, तो वे उस पर शिकायत वापस लेने का दबाव बनाने लगे। आरोप है कि पीड़िता की तलाश करते हुए वे जाजपुर स्थित उसकी बहन के घर पहुंच गए और वहां गाली-गलौज करते हुए जबरन उसे सफेद बोलेरो में बैठाने लगे। इसी दौरान उनमें से एक ने कहा कि इसे मारकर यमुना में फेंक दो, सब रफा-दफा हो जाएगा। इस मामले में जब पुलिस से संपर्क किया गया तो कोतवाली प्रभारी निरीक्षक ललित नारायण ने बताया कि अभी तक तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। जांच कराई जा रही है, जैसे ही तहरीर मिलेगी, जांच कर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

पब्बर नदी में कार हादसे में लापता व्यक्ति का शव बरामद

शिमला : जिला शिमला के रोहड़ू उपमंडल के चिड़गांव थाना क्षेत्र में शुक्रवार की रात बढ़ियारा पुल के पास इग्निस कार (लढ 52ए 4006) पब्बर नदी में गिर गई थी। इसमें सवार दो व्यक्तियों में से एक का शव बरामद कर लिया गया है, जबकि दूसरा व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुआ है और अस्पताल में उपचाराधीन है। पुलिस के अनुसार हादसे में संजीव कुमार पुत्र स्व. प्यारे लाल, गांव घरशाल डाकघर देवीदार नदी में बहने से लापता हो गया था। पुलिस की टीमें उसकी तलाश में जुटी थीं और शनिवार शाम उसका शव पब्बर नदी में बहने के बाद रोहड़ू थाना क्षेत्र में मिला। पुलिस ने शव की शिनाख्त कर उसे परिवार को सौंप दिया है। कार में दूसरा व्यक्ति हितेंद्र पुत्र मिचर सैन, गांव डीसवाणी डाकघर कालोटी, चिड़गांव घायल हो गया था। हादसे के बाद उसे तुरंत रोहड़ू अस्पताल लाया गया, जहां से डॉक्टरों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए आईजीएमसी शिमला रेफर कर दिया है। पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर हादसे के कारणों की जांच कर रही है। स्थानीय लोगों के मुताबिक यह हादसा देर रात हुआ जब गाड़ी अनियंत्रित होकर पुल से नीचे पब्बर नदी में जा गिरी। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि प्रारंभिक जांच के बाद ही दुर्घटना के असली कारणों का पता चल पाएगा।

कोकराझार के बालाजान तीनाली में भीषण सड़क दुर्घटना

कोकराझार (असम) : कोकराझार के बालाजान तीनाली में बीती रात एक भीषण सड़क दुर्घटना में तीन व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गये। बताया गया है कि एक चारपहिया वाहन और स्कूटी के बीच हुई टक्कर में तीन लोग घायल हो गए। घायलों में दो की पहचान खेंखाई बाजार के देगांव बोडो और लक्ष्मीचरण बसुमतारी के रूप में हुई है। दोनों युवक बीपीएफ युवा संगठन के सदस्य बताए जा रहे हैं। एक अन्य घायल व्यक्ति की पहचान अंतिम सूचना मिलने तक नहीं हो पाई है। स्थानीय लोगों ने तत्काल सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया। हादसे के बाद चार पहिया वाहन का चालक मौके से फरार हो गया। उल्लेखनीय है कि यह दुर्घटना कोकराझार से कारीगांव मार्ग पर स्थित स्पीड ब्रेकर को बीती रात हटाए जाने के बाद पहली दुर्घटना है।

इंदौर: मंत्री कैलाश विजयवर्गीय आज वार्ड 15 में देंगे विकास कार्यों की सौगात

एजेंसी

इंदौर : नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय आज (रविवार को) इंदौर प्रवास के दौरान विधानसभा एक के वार्ड 15 में तीन करोड़ की लागत के विकास कार्यों का भूमि पूजन और लोकार्पण करेंगे। इस दौरान सफाई मित्रों का सम्मान किया जाएगा एवं ₹मन की बात₹ कार्यक्रम का सामूहिक श्रवण किया जाएगा। इसी के साथ मंत्री विजयवर्गीय की उपस्थिति में ₹एक पेड़ माँ के नाम₹ अभियान के तहत वार्ड 15 में 11 हजार वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया जाएगा। यह कार्यक्रम प्रातः 10 बजे बघेरवाल परिसर, एयरपोर्ट के सामने आयोजित किया गया है।

18 केंद्रों पर आयोजित हो रही आरओ-एआरओ परीक्षा, सुरक्षा और पारदर्शिता के सख्त इंतजाम

एजेंसी

औरैया : रविवार को उत्तर प्रदेश के औरैया जिले में समीक्षा अधिकारी (फ्ह) और सहायक समीक्षा अधिकारी (अफ्ह) की परीक्षा शांतिपूर्ण और नकलविहीन तरीके से संपन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। परीक्षा सुबह 09:30 से 12:30 बजे तक आयोजित की जा रही है, जिसमें कुल 7776 परीक्षार्थी (महिला व पुरुष) भाग ले रहे हैं। परीक्षा को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए 18 परीक्षा केंद्रों पर व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है। हर केंद्र पर एक केंद्र व्यवस्थापक और एक पर्यवेक्षक की तैनाती की गई है। नकल रोकने के लिए 18 सेक्टर मजिस्ट्रेट और 18 स्टेटिक मजिस्ट्रेट को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके साथ ही जिला प्रशासन ने कंट्रोल रूम की स्थापना की है, जहां से परीक्षा की निगरानी की जा रही है। परीक्षा केंद्रों के पास मौजूद साइबर कैफे और फोटो स्टेट की दुकानें बंद करा दी गई हैं ताकि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि को रोका जा सके। परीक्षार्थियों को केवल शारीरिक तलाशी और पहचान पत्र की जांच के बाद ही केंद्रों में प्रवेश दिया जा रहा है। मोबाइल फोन, घड़ी, कैलकुलेटर सहित कोई भी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस पूरी तरह प्रतिबंधित है।

देवकली मंदिर: इतिहास में छिपे हैं कई रहस्य, राजा विशोक देव और रानी देवकला की अमर गाथा से जुड़ी है कथा

औरैया : उत्तर प्रदेश के औरैया जिले से लगभग 4 किलोमीटर दूर बीहड़ क्षेत्र में स्थित देवकली मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल ही नहीं, बल्कि इतिहास के कई अनछुए पन्नों को समेटे हुए एक प्राचीन सिद्धपीठ है। यमुना नदी के किनारे बसे इस मंदिर की पौराणिकता, स्थानीय जनश्रुतियों और ऐतिहासिक घटनाओं से जुड़ी अनेक कथाएं आज भी लोगों को आकर्षित करती हैं।

कर्ण से लेकर कृष्णदेव तक जुड़ा है इतिहास

द्वापर युग में कर्ण की राजधानी करनखेड़ा (कनारगढ़) से लेकर महाराज कृष्णदेव द्वारा संवत 202 ईस्वी में देवगढ़ में किला और मंदिर निर्माण की कथा यहां की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को दशार्ती है। कृष्णदेव द्वारा स्थापित महा कालेश्वर मंदिर ही वर्तमान देवकली मंदिर का प्रारंभिक स्वरूप था।

राजा विशोक देव और रानी देवकला की अद्वितीय श्रद्धा

संवत 1210 ईस्वी में राजा विशोक देव का विवाह कन्नौज के राजा जयचंद की बहन देवकला से हुआ। संतान प्राप्ति की कामना लिए जब दंपत्ति गंगा स्नान कर लौट रहे थे, तब वर्तमान देवकली स्थल पर उन्होंने रात्रि विश्राम किया। इसी स्थान को रानी देवकला ने अपनी भावी राजधानी बनाने की इच्छा जताई। जब महल निर्माण शुरू हुआ, तो आंगन में एक रहस्यमयी शिवलिंग (पत्थर की लाट) निकली, जिसे स्वयं महामाया मंगला काली ने रानी को दर्शन देकर देवगढ़ महाकालेश्वर बताया।

देवकली नाम ऐसे पड़ा

रानी देवकला की मृत्यु के बाद राजा विशोक देव ने संवत 1265 ईस्वी में शिवलिंग की स्थापना करते हुए भव्य मंदिर बनवाया और अपनी रानी की स्मृति में इसका नाम देवकली मंदिर रखा।

₹ शेरशाह सूरी का हमला और श्राप की कथा ₹

कहा जाता है कि बाद में शेरशाह सूरी ने मंदिर पर हमला किया और पश्चिमी गुंबद को ध्वस्त करवा दिया। इस पर राजा विशोक देव की आत्मा ने उसे श्राप देकर अंधा कर दिया। इससे त्रस्त होकर शेरशाह ने यमुना किनारे एक मंदिर बनवाया और भगवान राम, लक्ष्मण व सीता की मूर्तियां प्रतिष्ठित कीं।

आस्था का केंद्र, अद्भुत मान्यताएं

आज भी देवकली मंदिर में सावन के हर सोमवार को भव्य मेले का आयोजन होता है। यहां हजारों श्रद्धालु महाकालेश्वर का अभिषेक कर अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति की कामना करते हैं। मंदिर की स्थापना और उससे जुड़े कई रहस्य शोधकताओं और श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का विषय बने हुए हैं।

श्रावण में बाबा सिद्धनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की पूरी होती मनोकामनाएं

एजेंसी

हरदोई : हरदोई से करीब 21 किमी. की दूरी पर हरदोई-शाहजहांपुर मार्ग पर मियांपुर ग्रामसभा के राजस्व ग्राम हुसेनापुर धौकल में स्थापित इस सिद्धनाथ बाबा मंदिर पर आने वाले हर श्रद्धालु की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।यह मंदिर हरदोई-शाहजहांपुर मुख्य मार्ग एवं मियांपुर गांव से करीब डेढ़ किमी. दूरी पर स्थित है।तथा रेल मार्ग के टोडरपुर स्टेशन से करीब एक किमी.की दूरी पर है।सावन में तो यहां सुदूर क्षेत्रों से भक्त आते ही हैं।वैसे भी सामान्य दिनों में मुंडन,जन्मदिन, रुद्राभिषेक आदि के लिए भी महिलाओं ,पुरुषों ,बच्चों का यहां आवागमन होता रहता है। शिव सत्संग मंडल आश्रम,हुसेनापुर धौकल(टोडरपुर) स्थित सिद्धनाथ बाबा मंदिर के विषय में मण्डल के राष्ट्रीय महामंत्री त्रिपुरेश पाण्डेय ने बताया कि यह शिवालय वर्ष 1993 में तत्कालीन ग्राम प्रधान हरिकरण, तहसीलदार मनमोहन सक्सेना,उपजिलाधिकारी रामकृपाल श्रीवास्तव एवं संत श्रीपाल के संयुक्त प्रयास से स्थापित किया गया। तब यहां की भूमि ऊसर बंजर थी।लेकिन जब से शिव भक्तों,कांवरियों ने यहाँ आना जाना शुरू किया तथा भगवान शंकर की उपासना शुरू की।पूरे क्षेत्र का वातावरण ही आध्यात्मिक हो गया।सब तरफ हरियाली ही हरियाली हो गई।तब यहां महात्मा बोदिलदास एक झोपड़ी में रहते थे।शनैः शनैः भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होने लगीं।जिससे विशेषकर हर सोमवार को सत्संगीजनों ,शिव उपासकों की संख्या बढ़ी।और फिर हर माह की पहली तारीख को भक्तों व संतों का समागम होने लगा। मंदिर की निगरानी व व्यवस्था की देखभाल करने वाले शिव सत्संग मण्डल के मंडलाध्यक्ष आचार्य अशोक बताते हैं कि आश्रम व मंदिर परिसर में संतों भक्तों के लिए भंडारा व्यवस्था एवं स्वल्पाहार की व्यवस्था प्रसाद के साथ रहती है। उनका कहना है कि शिव की उपासना सभी वर्गों व संप्रदायों के लिए शुभ और कल्याणकारी है। सिद्ध नाथ बाबा मंदिर के पुजारी महात्मा शांतानंद कहते हैं कि शंकर भगवान की पूजा अर्चना तो वर्षभर होती है।

अब्दुल कलाम ने देखा था शक्तिशाली राष्ट्र का सपना: मुख्यमंत्री सरमा

गुवाहाटी : असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने भारत के पूर्व राष्ट्रपति और 'मिसाइल मैन' के रूप में प्रसिद्ध डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को उनकी पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उन्होंने अपने गहन विचारों के माध्यम से एक शक्तिशाली राष्ट्र का सपना देखा था। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर अपने संदेश में कहा कि अध्यवसाय, कठोर परिश्रम और एकाग्रता के बल पर उन्होंने अपने जीवन को एक प्रेरणा में बदला। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की सेवा करते हुए डॉ. कलाम ने एक अमूल्य विरासत छोड़ी है। उन्होंने कहा कि डॉ. कलाम ने नई पीढ़ी को सपने देखने और उन्हें साकार करने की प्रेरणा दी। ₹देश के इस महान पूर्व राष्ट्रपति को सश्रुत नमन करता हूं, मुख्यमंत्री सरमा ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

रीवा: दो दिवसीय रीजनल पर्यटन कॉन्क्लेव का आज समापन

भोपाल : रीवा में कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम में आयोजित दो दिवसीय रीजनल पर्यटन कॉन्क्लेव का आज (रविवार को) मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की मौजूदगी में समापन होगा। कॉन्क्लेव के समापन सत्र में अलग-अलग तीन दलों द्वारा पर्यटन विकास के विभिन्न आयामों पर चर्चा की जाएगी। इन दलों द्वारा दोपहर 2 बजे के बाद पुरवा जलप्रपात, बसामन मामा गौ वन्य विहार अभ्यारण्य तथा रीवा में बघेला म्यूजिम किला एवं महामृत्युंजय मंदिर का भ्रमण किया जाएगा। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री डॉ यादव ने शनिवार शाम को इस कॉन्क्लेव का शुभारंभ किया था। उन्होंने समारोह में उपस्थित पर्यटन से जुड़े व्यक्तियों को संबोधित किया और पर्यटन व्यवसाय में निवेश के लिए आमंत्रित किया। आज रीजनल पर्यटन कॉन्क्लेव का समापन होगा।

न्यूज IN ब्रीफ

प्रहलाद पाड़िया ने कांवरियों के लिए भोजन की व्यवस्था किया

संवाददाता : चक्रधरपुर मुख्य मार्ग निवासी और व्यवसायी प्रहलाद पाड़िया अपने परिजन और मित्रगण के साथ कांवरियों की सुधि लेते हुए उनके सुविधा हेतु केडिया पेट्रोल पंप के समक्ष एवं पंजाबी टोला के समीप भोजन की व्यवस्था की। इस क्रम में चक्रधरपुर से मिनी बैद्यनाथ धाम के नाम से सुविख्यात गोइलकेरा के निकट अवस्थित शिव मंदिर महादेव साल जाने वाले कांवरियों की सुधि लेते हुए उनके लिए भोजन की व्यवस्था की जिसमें पुरुष कांवरिया महिला कांवरिया और बच्चे कांवरिया ने इस भोजन व्यवस्था की काफी सराहना की। इस भोजन व्यवस्था कार्यक्रम में सदानंद होता, राजेन्द्र प्रसाद के अलावे अन्य लोग भी सेवा कार्य में उपस्थित थे।

झुंड से बिछड़े एक हाथी के आतंक से परेशान हैं ग्रामीण

गुमला : गुमला जिला अंतर्गत स्थित बिशुपुर प्रखंड क्षेत्र के जंगल में झुण्ड से बिछडें एक आक्रोशित हाँथी के गाँव में प्रवेश करने से बिशुनपुर प्रखंड के विभिन्न गांवों के ग्रामीणों में भय का महौल,उक्त जंगली हाँथी के आतंक से काफी परेशान और भयभीत हैं ग्रामीण, शुक्रवार के प्रातः लगभग सात बजे उक्त हाँथी एकाएक गांव में प्रवेश कर गया और गांव के घरों के पास जैसे ही पहूँचा , वैसे ही ग्रामीणों ने उक्त हाँथी को काफी चतुराई से विभिन्न उपाय अपनाते हुए, उक्त हाँथी को पुनः जंगल की तरफ खदेडने में ग्रामीण सफल रहे, परन्तु उक्त जंगली हाँथी पुनः गाँव में कब और कहाँ प्रवेश कर जाएगा, उक्त भय से भयभीत हैं (ग्रामीण) वही संबंधित वन विभाग का कोई दूर-दूर तक कोई अतापता नहीं हैं, कारण पूछते हैं ग्रामीण जबकि उक्त उदंड हाँथी लगातार तीन चार दिनों से उक्त क्षेत्रों में भरमनशील है और इसी क्रम में गावों के कई घरों, खेतो में लगे फसलों, साग सब्जियों आदि को रौन्दकर बर्बाद कर दे रहा है, फिर भी संबंधित वन विभाग एवं किसी अन्य संगठनों व्दारा कोई ठोस कारवाई नहीं की जा रही हैं, पीडित ग्रामीणों व्दारा संबंधित वन विभाग से मुवावजा की गुहार लगाई गई है।

संत अन्ना धर्म समाज की संरक्षिका की याद में मनाया जाता है पर्व

कोलेबिरा : प्रखंड अंतर्गत लचरागढ़ में संत अन्ना धर्म बहनों द्वारा संत अन्ना धर्म समाज की संरक्षिका का पर्व धूमधाम से मनाया गया। और ठेठईटांगर में सर्व प्रथम 9.30 बजे मिस्सा पूजा किया गया, मिस्सा पूजा सम्पन्न किया गया। ठेठईटांगर मेंभी संत अन्ना पर्व मनाया गया,सिस्टर सुपरियर सी. पुष्पीका केरकेट्टा ने अपने सम्बोधन में कहा-- संत अन्ना धर्म समाज की स्थापना 26 जुलाई सन 1897 ईङ्क में स्वङ्क सिस्टर मेरी बेरनादेत के द्वारा किया गया था।आज संत अन्ना धर्म समाज अपना 129 वाँ वर्षगांठ मना रहा है। इस समय पूरे विश्व में संत अन्ना धर्म बहनों की संख्या 1897 है ,जो शिक्षण संस्थाओं,अस्पतालों और गरीब - दुखियों के सेवा कार्यों में लगे हैं। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम स्कूल के बच्चियों द्वारा प्रस्तुत किया गया। शुभकामनाएं दी।

झामुमो जिलाध्यक्ष अनिल कांडुलना ने अपने उदगार व्यक्त करते हुए कहा-- संत अन्ना और जोअकिम एक आदर्श माता - पिता थे , वे अपनी पुत्री मरियम का लालन - पालन अच्छी तरह से एक आदर्श माता - पिता की तरह किया। वे ईश्वर पर अटूट विश्वास रखते हुए अपने पड़ोसियों से प्रेम तथा सेवा भाव रखते थे। आज हम उनकी जीवनी से शिक्षा लेते हुए अपने समाज में दबे - कुचले, असहाय लोगों के साथ प्रेम तथा सेवा भाव रखना चाहिए।

इस अवसर पर मुख्य रूप से झामुमो जिला अध्यक्ष अनिल कांडुलना, केन्द्रीय समिति सदस्य नोवस केरकेट्टा, जिला कोषाध्यक्ष राजेश टोप्पो, विद्यालय प्रबंधन समिति के सभी सदस्य गण, दोनों विद्यालय के शिक्षक - शिक्छिकाएं ,महिला संघ, कैथोलिक सभा और युवा संघ के माता-पिता, भाई - बहनें हजारों की संख्या में उपस्थित थे।

पर्यावरण संरक्षण और किसानों की आय में वृद्धि का संकल्प

जलडेगा : प्रखंड में पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ किसानों की आजीविका में सुधार के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल की गई। संकल्प तरू फाउंडेशन एवं यस फाउंडेशन के संयुक्त प्रयास से कुल 14,000 फलदार पौधों का निःशुल्क वितरण किया गया। यह कार्यक्रम न केवल पर्यावरण के संतुलन को बहाल करने की दिशा में एक कदम है, बल्कि किसानों की आय बढ़ाने में भी सहायक साबित होगा। आज के समय में तेजी से हो रही पेड़ों की कटाई और जलवायु परिवर्तन से पर्यावरण असंतुलन की स्थिति उत्पन्न हो गई है, जिससे खेती पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। ऐसे में फलदार वृक्षों को लगाना दोहरा लाभ प्रदान करता है झ एक ओर यह हरियाली को बढ़ाता है, दूसरी ओर किसानों को आमदनी का एक स्थायी स्रोत उपलब्ध कराता है। मौके पर मौजूद राज्य समन्वयक अविनाश गौरव ने जानकारी दी कि किसानों की पसंद और भूमि की उपयुक्तता के आधार पर पौधों की सूची तैयार की गई और उसी के अनुसार पौधों का वितरण किया गया। आम,लिची अमरूद, कटहल, आदि जैसे फलदार पौधों का वितरण किया गया। इस पहल से जुड़कर किसान न केवल पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान देंगें , बल्कि अपने परिवार की आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ करेंगे। यह कार्यक्रम अन्य किसानों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन रहा है।

झारखंड के लोक गायक छत्तीसगढ़ में अपनी टीम के साथ किए गीत संगीत की प्रस्तुति

जलडेगा : छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के जन्म गांव बगिया के मैनी नदी तट किनारे नवनिर्मित फलेश्वर नाथ मंदिर के तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा समारोह का भव्य आयोजन हुआ, जहां भक्ति जागरण कार्यक्रम में झारखंड के जलडेगा सेमेरिया निवासी बिस्मिल्लाह खां पुरस्कार से सम्मानित लोक गायक जगदीश बड़ाईक के नेतृत्व में कलाकारों के टीम द्वारा मरदानी झुमर के साथ भक्ति गीत संगीत बृहस्पतिवार रात्रि पेश किया, जिससे दर्शकों द्वारा भी काफी दिल लगाकर सुना एवं देखा गया, इस दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं धर्मपत्नी द्वारा भी गीत संगीत से काफी प्रभावित हुए एवं आशीर्वाद देते हुए सावन महीने का शुभकामनाएं दी, मालुम रहे कि कलाकार जगदीश बड़ाईक के नेतृत्व में उनके टीम द्वारा मुख्यमंत्री के निमंत्रण पर पिछले दिनों कांसाबेल दोकड़ा में श्री जगन्नाथ मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के भक्ति जागरण कार्यक्रम में भक्ति गीत संगीत सहित कई कार्यक्रम में भाग ले चुके हैं।

डीआईजी नौशाद आलम का विद्यालय परिवार ने किया सम्मानित

बिनय मिश्रा

सारण,पटना, परसा उच्चतर विद्यालय के पूर्ववर्ती छात्र रहे नगर पंचायत परसा अंतर्गत सराय साहो निवासी सह पलामू रेंज डीआईजी नौशाद आलम का विद्यालय परिवार के द्वारा एक सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अध्यक्षता अवकाशप्राप्त प्राचार्य अम्बिका राय व संचालन शिक्षक अनीश कुमार ने किया। इस कार्यक्रम में सम्मानित होने के बाद डीआईजी डीआईजी नौशाद आलम व प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी मेजर डॉक्टर सत्येंद्र सिंह भाव विभोर हुए ।और 35 वर्ष पूर्व इस विद्यालय में पठन पाठन के दौरान अपने छात्र जीवन को भी याद किया। इसके पूर्व छात्र छात्राओं द्वारा स्वागत गान से मुख्य अतिथियों का स्वागत किया गया। मुख्य इस दौरान डीआईजी नौशाद आलम ने कहा कि शिक्षकों के मार्गदर्शन में अपनी कड़ी मेहनत से मैं आज इस मोकाम पर पहुचा हु। उन्होंने खासकर बच्चो से कहा कि इस विद्यालय में कभी हम भी आप सब जैसा बेंच पर बैठ कर कार्यक्रम को सुनता था ,आज अपने गुरुजी के आशीर्वाद व अपनी ईमानदारी के साथ की गई मेहनत के बावजूद अपने विद्यालय में सम्मानित हो रहा हु। इस लिये आपलोग भी मेहनत करो और आगे बढ़ो। वही इस विद्यालय में छात्र रहे प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी मेजर डॉक्टर सत्येंद्र कुमार सिंह ने कहा कि मनुष्य अगर मन मे विश्वास के साथ अपने मिशन को लेकर ठान ले तो कोई भी कम मुश्किल नही होता । बसर्ते कि उसमें समर्पण की भावना हो।इसके पूर्व पूर्व

प्राचार्य धर्मेंद्र कुमार समीर के नेतृत्व में विद्यालय के शिक्षकों ने डीआईजी नौशाद आलम,प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी मेजर सत्येंद्र कुमार सिंह सहित अन्य मुख्य अतिथियों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया ।

डीआईजी ने विद्यालय में किया पौधरोपण

जलवायु प्रदूषण से बचाव को लेकर पलामू रेंज के डीआईजी नौशाद आलम,मेजर डॉक्टर सत्येंद्र कुमार सिंह माध्यमिक शिक्षक संघ अध्यक्ष विनोद कुमार, पूर्व प्राचार्य अम्बिका राय,धर्मेंद्र कुमार समीर,अनीश कुमार नवीन प्रकाश, पूर्व मुखिया राजेन्द्र राय, बृजनंदन राय, देवीलाल राय, सरोज सिंह, डॉक्टर नागेश्वर पप्पू चौबे,अमिताभ सिंह गोरख शर्मा,अनमोल पाठक आदि ने विद्यालय के शिक्षकों के साथ विद्यालय परिसर में दर्जनों फलदार व छायादार पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कारगिल विजय दिवस पर दो मिनट का मौन रख वीर शहीदों को किया याद

कारगिल विजय दिवस पर डीआईजी नौशाद आलम,मेजर डॉक्टर सत्येंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में शिक्षकों व छात्र छात्राओं ने दो मिनट का मौन रख वीर शहीदों को याद किया।

खेलो इंडिया अस्मिता वुशु लीग का आयोजन, आज खिलाड़ियों का रजिस्ट्रेशन संपन्न

धनबाद : महिला खिलाड़ियों में खेलो के प्रचार के उद्देश्य से पुरे देश में आयोजित किये जा रहें अस्मिता सिटी लीग के तहत वुशु का आयोजन धनबाद के क्रिसेंट इंटरनेशनल स्कूल गोविंदपुर हो रहा है.

क्रिसेंट इंटरनेशनल स्कूल के डायरेक्टर-ईसा समीम, प्रिंसिपल - विजेता दास एवं उनके स्टाफ के साथ धनबाद जिला वुशु संघ के अधिकारीयों के द्वारा आयोजन की तैयारी पूरी कर ली गयी है।

ये होंगे मुख्य अतिथि उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के धनबाद के विधायक श्री राज सिन्हा होंगे । आयोजन के समाप्ति के कार्यक्रम एवं पुरस्कार वितरण समारोह में डॉक्टर साधना ,लायंस क्लब गोविंदपुर की अध्यक्ष जया कुमार ,क्रीड़ा भारती की ब्लॉक प्रेसिडेंट मैडम शकुंतला भारती एवं साज ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष डॉक्टर शमीम अहमद रहेंगे.कल के अस्मिता महिला वुशु लीग में लगभग 300 महिला खिलाड़ी भाग लेने वाले हैं, खिलाड़ियों के लिए कल का रिपोर्टिंग टाइम सुबह 8 बजे रखा गया है।कार्यक्रम का क्लोजिंग सेरेमनी शाम को 4:00 से लेकर 5:00 तक होगी।

युवा मामले एवं खेल विभाग भारत सरकार, भारतीय खेल प्राधिकरण एवं वुशु एसोसिएशन ऑफ इंडिया के द्वारा इस लीग का आयोजन देश के कई शहरों में किया जा रहा हैं.

आज प्रतियोगिता की आयु वर्ग के खिलाड़ियों का डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन किया गया और भार वर्ग लिया गया कल प्रातः 11:00 बजे प्रतियोगिता का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि धनबाद विधायक श्री राज सिंह द्वारा किया जाएगा.

प्रतियोगिता में धनबाद के विभिन्न स्कूलों और क्लबों के सभी वर्ग के तकरीबन 300 महिला खिलाडी भाग ले रहे हैं प्रतियोगिता में जिला संघ से निर्णायक के रूप में दिनेश यादव अजय कुमार सिंह पलविंदर सिंह अंजली कुमारी शुभम रजक मोनू कुमार बेबी कुमारी पिंटू कुमार राहुल आनंद खुशबू कुमारी अभिमन्यु कुमार राजू श्रीवास्तव आदि होंगे वहीं राज्य संघ की ओर से निर्णायक के रूप में मनोज मांझी, विमला टोप्पो, निशांत तिर्की, मनीष मुंडा आदि रहेंगे.इस अवसर पर राज्य संघ के निदेशक एवं वुशू एसोसिएशन ऑफ इंडिया के एसोसिएट वाईस प्रेसिडेंट शिवेंद्र दुबे, वाईस प्रेसिडेंट श्री मिथलेश साहू भी उपस्थित रहेंगे.

कोडरमा के युवक का बंगाल में सड़क दुर्घटना में मौत, हंगामा

कोडरमा : थाना क्षेत्र अंतर्गत चाराडीह मसौंधा निवासी महेश यादव पिता स्व. बोधी यादव का बंगाल के आसनसोल में सड़क दुर्घटना में रहस्यमई मौत का मामला प्रकाश में आया है. चाराडीह निवासी शंकर यादव के पुत्र शुक्रवार शाम में महेश के घर पहुंचकर उसे कुछ देर में आते है कहकर ले गया. इस दौरान महेश के फोन में लगातार फोन आ रहा था. इस दौरान परिजन परेशान रहे इसी दौरान शनिवार सुबह करीब सात बजे महेश के घर पर फोन आया कि सड़क दुर्घटना में महेश का मौत हो गई. खबर सुनते ही परिजन रोने बिलखने लगे. वहीं रविवार को चाराडीह में परिजन और ग्रामीणों ने शव रखकर किया मुआवजा को लेकर हंगामा किया. मौके पर कोडरमा थाना पुलिस और चाराडीह मुखिया अनीता देवी, करमा मुखिया प्रतिनिधि अनिल यादव के साथ अन्य सामाजिक लोगों के हस्तक्षेप के बाद उचित मुआवजा के बाद परिजनों को समझकर मामला को शांत कराया गया। वहीं मिली जानकारी के अनुसार आसनसोल थाने में यूडी केस दर्ज किया गया है।मृतक में दो बेटियां है।

एएनएम प्रवेश परीक्षा 2025 शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त संपन्न

संवाददाता

दुमका : झारखंड संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद द्वारा आयोजित एएनएम प्रवेश परीक्षा 2025 डिस्ट्रिक्ट सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, दुमका परीक्षा केंद्र पर रविवार को शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त संपन्न होगया। स्टैटिक दंडाधिकारी राकेश रंजन ने केंद्राधीक्षक महेन्द्र राजहंस के साथ सभी परीक्षा कक्ष का औचक निरीक्षण किया। औचक निरीक्षण में परीक्षा शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त पाया गया।डिस्ट्रिक्ट सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, दुमका के प्रभारी प्राचार्य सह केंद्राधीक्षक महेन्द्र राज हंस ने बताया कि परीक्षा के सफल संचालन के लिए एक दिन पहले ही सारी तैयारी पूरी कर ली गई थी। पूर्व में ही वीक्षकों को ब्रीफिंग सेशन के माध्यम से परीक्षा संबंधित सारा दिशानिर्देश उपलब्ध करा दी गई थी। परीक्षा केंद्र पर मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक गजट या अन्य किसी भी प्रकार का अनुचित साधन का प्रयोग पर्णतः वर्जित था। श्री राजहंस ने बताया कि प्रवेश द्वार पर ही परीक्षार्थियों की सघन तलासी ली गई। बताया कि परीक्षा पूरी तरह सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में हुई।परीक्षा नियंत्रक निवास रजक ने बताया कि कुल आवंटित 600 परीक्षार्थियों में 529 उपस्थित एवं 71 अनुपस्थित थे। परीक्षा के सफल संचालन में स्टैटिक दंडाधिकारी राकेश रंजन,पूर्व प्रभारी प्राचार्य डॉ0 दिलीप कुमार झा, पूर्व प्रभारी प्राचार्य बब्बन कुमार, इंटर संकाय प्रभारी मुदस्सर सुल्तान,परीक्षा नियंत्रक निवास रजक, वीक्षक संजय कुमार सिन्हा, प्रकाश कुमार घोष, लखी टुडू एवं अर्चना कुमारी की मुख्य भूमिका रही।

वैध रजिस्ट्री के बावजूद प्रशासन ने तोड़ा घर मकान और बाऊंड्री भाजपा ज़िलाध्यक्ष ने की कार्रवाई की निंदा

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा : ज़िले में प्रशासन की एक विवादित कार्रवाई को लेकर जनाक्रोश फैल गया है। स्थानीय निवासी की वैध रूप से रजिस्टर्ड जमीन पर बिना किसी पूर्व सूचना के प्रशासन ने तोड़फोड़ की कार्रवाई कर दी। इस घटना पर भाजपा कोडरमा के ज़िला अध्यक्ष अनुप जोशी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इसे सरकार का तानाशाही और कानून की अनदेखी बताते हुए कहाः जिस जमीन की रजिस्ट्री पूरी तरह वैध हो, उसे इस तरह तोड़ना सीधे-सीधे आम जनता के अधिकारों पर हमला है। यह न्याय का अपमान है। हम इस अत्याचार के खिलाफ पीड़ित परिवार के साथ खड़े हैं। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि इस मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई हो और पीड़ित को मुआवजा और पुनर्वास दिया जाए।जिस जमीन कि रजिस्ट्री हुई है और नगरपालिका होल्डिंग टैक्स ले

रही है इलेक्टिक विभाग से बिजली पोल गाड़ कर बिजली दी गई है आज वो जमीन लोगों की नाजायज कैसे हो गई ।सरकार को कैम्प लगवा कर लोगों के कागज कि जाँच करनी चाहिये न की बेदखल करना चाहिए ।झारखण्ड मुक्ति मोर्चा कि सरकार जनता को लोक लुभावाने वादे कर आती है और फिर गरीब गुरबा भोली भालीं जनता का शोषण करती है। घटना के पीड़ित परिवारों ने बताया कि उन्होंने संबंधित जमीन की रजिस्ट्री कई वर्ष पहले करवा ली थी और रसीद भी राजस्व विभाग से कटवाई थी। इसके बावजूद बिना किसी नोटिस या सुनवाई के जमीन पर बुलडोजर चला दिया गया। स्थानीय लोगों ने भी प्रशासन की इस कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं और इसे गरीबों व आम नागरिकों के साथ अन्याय बताया है। भाजपा जिला अध्यक्ष अनुप जोशी ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही पीड़ित परिवारों को न्याय नहीं मिला, तो भाजपा कार्यकर्ता सड़क पर उतरकर सरकार के खिलाफ आंदोलन करेंगे।

कोडरमा के शिल्पकारों को मिलेगा एक साझा मंच

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा : कोडरमा जिला प्रशासन द्वारा जिले के पारंपरिक शिल्प, कलाकृति, पेंटिंग एवं अन्य स्थानीय कलाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक समग्र कार्य योजना तैयार की गई है। इस योजना के तहत जिले के विभिन्न क्षेत्रों के कुशल शिल्पकारों को एक साझा मंच पर लाकर उनके द्वारा निर्मित (कलाकृतियों) को बाजार से जोड़ा जाएगा, जिससे उनके उत्पादों को एक व्यवसायिक पहचान मिल सके। कोडरमा जिला पूरे देश में रेडियो सिटी झुमरी तिलैया के नाम से प्रसिद्ध है और यहाँ कई आकर्षक पर्यटन स्थल भी हैं। इसके बावजूद जिले की पहचान से जुड़ा कोई विशेष रङ्क४पील्ल्र१ (स्मृति चिन्ह) अब तक विकसित नहीं हो पाया है। इस पहल का उद्देश्य न केवल स्थानीय शिल्प को पहचान दिलाना है, बल्कि उसे पर्यटन और बाजार से जोड़कर स्थानीय रोजगार के नए अवसर भी सृजित करना है। इस दिशा में प्रथम चरण के अंतर्गत जिले में प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी, जिसमें जिले के शिल्पकारों द्वारा निर्मित विभिन्न प्रकार की कलाकृतियों को प्रदर्शन एवं बिक्री हेतु प्रस्तुत किया जाएगा। इन उत्पादों को प्रमुख पर्यटक स्थलों, नगर परिषद, पंचायत परिसरों और अन्य उपयुक्त स्थानों पर प्रदर्शित किया जाएगा, जिससे आमजन एवं पर्यटकों को इनकी जानकारी मिल सके और बिक्री को प्रोत्साहन मिले। भविष्य की योजनाः शिल्पकारों को उद्योग विभाग, मुख्यमंत्री लघु एवं कुटिर उद्योग विकास बोर्ड एवं जे०एस०एल०पी०एस० के सहयोग से प्रशिक्षण प्रदान कर, उन्हें व्यवसायिक रूप से सशक्त किया जाएगा, ताकि वे अपने उत्पादों को व्यापक बाजार में उतार सकें। इस योजना के क्रियान्वयन हेतु जिला सहकारिता पदाधिकारी, प्रशासक, नगर परिषद, झुमरी तिलैया, प्रशासक, नगर पंचायत (कोडरमा एवं डोमचांच), जिला कार्यक्रम प्रबंधक, जे०एस०एल०पी०एस० एवं जिला उद्यमी समन्वयक को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने स्तर से जिले के शिल्पकारों तक इस जानकारी को पहुँचाने हेतु आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें।

डोमचांच के अंकित ओर रौशन ने जेपीएससी परीक्षा में लहराया सफलता का परचम

कोडरमा : जिले के डोमचांच बाजार स्थित श्री महेश एकेडमी डोमचांच के दो पूर्ववर्ती छात्रों ने जे.पी.एस.सी. में सफलता हासिल किया है. डोमचांच प्रखंड के मधुबन पंचायत अंतर्गत भेलवाटांड़ निवासी पवन कुमार मोदी व सुमित्रा देवी के ज्येष्ठ सुपुत्र अंकित राज ने झारखंड प्रशासनिक सेवा के लिए 19वां रैंक प्राप्त कर सफलता प्राप्त की और डोमचांच नगर पंचायत के वार्ड नंबर- 8 निवासी विनोद कुमार व नीतू देवी के कनिष्ठ सुपुत्र रौशन कुमार झारखंड वित्त सेवा के लिए चुने गए. रौशन कुमार के माता- पिता को शुक्रवार को श्री महेश एकेडमी में आमंत्रित कर बधाई देते हुए उन्हें मिठाई खिलायी गयी। इस बधाई कार्यक्रम में एकेडमी के निदेशक सुनील कुमार सिन्हा ने दोनों छात्रों के मेहनती एवं प्रतिभाशाली होने के बारे में उपस्थित छात्र-छात्राओं को अवगत कराया। सभी उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं शिक्षक- शिक्षिकाओं ने सफल छात्र के माता-पिता को तालियां बजाकर बधाई दी। इस मौके पर प्राचार्या रीना दारद, वरिष्ठ शिक्षक मोहनलाल पांडेय, मुकुल कुमार, शुभम कुमार, रौशन कुमार, नकुल पांडेय, सौरव कुमार, सपना गुप्ता, संजय कुमार, निशा कुमारी, सूरज कुमार यादव, रिया कुमारी, साक्षी कुमारी, कुसुम गोस्वामी, जसमिन कुमारी वहीं दामोदर मोदी, अनिल मोदी, अजीत मोदी सहित कई समाजसेवियों ने उज्जवल भविष्य की कामना की है।

अतिक्रमण पर प्रशासन की करवाई घोर निंदनीय है : नितेश

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा : भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य सह पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष नितेश चंद्रवंशी ने विगत कुछ दिनों पूर्व प्रशासन के द्वारा गोमो मौजा स्थित गैर मजूरवा जमीन पर किए गए करवाई पर घोर आपत्ति और निंदा व्यक्त किया है। आम गरीब व्यक्ति जो 20 वर्षों से अधिक रजिस्ट्री कागजात के द्वारा अथवा अंचल कार्यालय के द्वारा जमाबंदी किए गए होने एवं अंचल से रसीद निर्गत होने पर कोडरमा रजिस्ट्री निबंधन कार्यालय से निर्बंधित होने के बावजूद यदि कोई व्यक्ति अपने घर बना कर रह रहा हो और उसे अचानक बिना किसी वैद्य निर्देश के उन पर उनकी जमीनों पर बुलडोजर चलाया जाएगा तो यह बहुत ही निंदा जनक है । प्रशासन ने काफी मनमानी किया है ।आज ग्रामीणों से एवं रहने वाले आम नागरिकों

से मिलने के पश्चात नितेश चंद्रवंशी ने यह कहा की उनके पास कोडरमा रजिस्ट्री कार्यालय से वैध निबंधन पत्र हैं। कुछ लोगों के जमीन के जमाबंदी भी दर्ज है तो फिर बिना किसी बड़े घोषणा के बावजूद उनके मकान पर उनके आशियानों में बुलडोजर चलाना या काफी दुखद एवं निंदनीय कार्य हैं ।लोकतंत्र में हर व्यक्ति को अपना पक्ष रखने का मौका दिया जाता है ,संविधान सबके हितों की रक्षा करती है ।बावजूद माननीय अनुमंडल पदाधिकारी अथवा अपर समाहर्ता अथवा अंचलाधिकारी अपनी कमजोरी को छिपाने के लिए गरीब पर यह कहर बरसाया है ।मैं माननीय विधायक डॉ श्रीमती नीरा यादव , सांसद सह मंत्री भारत सरकार श्रीमती अन्नपूर्णा देवी जी से यह आग्रह करता हूं कि इस पर हस्तक्षेप करते हुए आम जनता को न्याय दिलाने का कार्य करें । साथ ही साथ प्रशासन से भी यह विनती करता हूं कि बिना कागजात को देखें इस प्रकार का ठोस निर्णय नहीं करना चाहिए। सभी पक्षों की बात सुननी चाहिए। आम जनता में काफी रोष है,जनता सड़क पर उतर उतरेगी।